



भारत का राजापत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

अं. 36]

नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 20, 1990/कातिक 29, 1912

No. 36] NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 20, 1990/KARTIKA 29, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या हो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के हाथ में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक
प्रधिकारी
नई दिल्ली, 20 नवम्बर, 1990
भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (कर्मचारी भविष्य निधि),
विनियम, 1990

सं. 3590/री.एफ.:—भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक प्रधिनियम,
1989 (1989 का 39) की घारा 52 की उपधारा (2) के अंदर
(ब) के साथ पटिन उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त विविधों का प्रयोग करने हेतु
कोई विकास बैंक के गुर्व प्रत्योदित से इसके द्वारा निर्माणित विनियम
बनाता है:

(1) (i) इन विनियमों का नाम भारतीय लघु उद्योग विकास
बैंक (कर्मचारी भविष्य निधि) विनियम, 1990 है।

(ii) वे विनियम....., 199... से लागू होते।

(2) परिमापण जब तक विषय या संरक्षण में कोई वात विद्युत न
हो इन विनियमों के प्रयोग—

(1) "प्रधिनियम" से प्रभिकार भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक
प्रधिनियम, 1989 (1989 का 39) है।

(2) "प्रशासक" से प्रभिकार इस निधि के प्रयोग है।

(3) "प्रबंध निरेश" मे प्रभिकार लघु उद्योग बैंक के प्रबंध
निरेश है।

(4) "निधि" से प्रभिकार विनियम 3 के प्रबंधन गठित निधि है।

(5) "स्थानांतरित कर्मचारी" से प्रभिकार ऐसा व्यवित है जो इस
प्रधिनियम की धारा 33 की उपधारा (2) की घारों के
प्रत्युत्तर लघु उद्योग बैंक के कर्मचारी वर्ग का सदस्य बन
जाता है परन्तु इसमें ऐसा, व्यक्ति लाभित नहीं है जिसने
नियन तारीख से तो महीने की प्रवधि के भीतर, विकास
बैंक में वापस जाने के लिए चयन किया है।

(6) इन विनियमों और इस प्रधिनियम में वित लाभों और प्रभि-
कारियों का प्रयोग किया गया है परन्तु वितकी परिमारा
नहीं की गई है, उनका इस प्रधिनियम के प्रयोगवार्ष वर्ष:
वही घर्व होगा जो फि उनके लंबाई में निर्वाचित किया गया
है।

(7) गठन:—एक निधि का गठन किया जाएगा जो "भारतीय
लघु उद्योग विकास बैंक उपचारी भविष्य निधि" कही जाएगी।

(8) प्रशासन:—एक निधि लघु उद्योग बैंक द्वारा रखो जाएगी
और इसका प्रशासन प्रशासकों द्वारा किया जाएगा,

(1)

जिसमें इसके प्रबंध निदेशक, बोर्ड द्वारा नामित हो गय निदेशक, एक कार्यालयक निदेशक या महा प्रबंधक तथा तीन घन्य व्यक्ति होंगे, जिनमें से एक प्रधिकारियों, इमरा लिपिक वर्गीय कर्मचारियों तथा तीसरा घन्यनस्य सेवा के कर्मचारी वर्ग का प्रतिनिधित्व करेगा। वे आरो, प्रबंध निदेशक द्वारा नामित हिए जाएँगे। विभिन्न विनियमों के प्रत्यंत उम्मे प्रदत्त विकल्प अविष्ट पर प्रतिकूल प्रभाव दाने जिना, इस नियम के प्रभालय इन विनियमों के प्रधीन इस नियम की ओर से सभी विविधों का प्रयोग बीमा सभी कार्य करने के हुक्मादार होंगे।

(5) प्रभालयकों की बैठक:—प्रभालयकों की प्रत्येक बैठक की प्रध्यक्षता प्रबंध निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में कार्यालयक निदेशक प्रभाव नामित निदेशकों में से एक निदेशक करेगा। कारबाहर के संघराहार के लिए कोरम की पूति के लिए कम से कम तीन प्रभालयकों को उत्तरित जानी होगी जिसमें से एक प्रबंध निदेशक या कार्यालयक निदेशक या नामित निदेशकों में से एक निदेशक होगा। प्रत्येक प्रभालयक एक बैठक होगा और समान विभाजन के गम्भीर मामलों में बैठक के प्रध्यक्ष का चांट निर्णयक मत होगा।

(6) नेत्रा-विवरण:—इस नियम के लिए वर्ष में 31 मार्च को तैयार किए जाएँगे और इन लेखों का उम तारीख तक का नेत्रा-परीक्षित विवरण प्रतिवर्ष 31 घण्टस्त तक प्रभाव उमके, बाद किसी ऐसी तारीख से, जिसे प्रभालयक अनुमति प्रदान करें, प्रभालयकों की बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा, तथा ऐसी बैठक के बाद यथानीष्ठ, विवरण की एक प्रति प्रत्येक कार्यालय और जाता में अभिदाताओं को उपलब्ध कराई जाएगी।

(7) फिल-किन के लिए सदस्यता प्रतिवार्ष है:—(1) सभु उद्योग बैंक का प्रत्येक स्थायी कर्मचारी इस नियम में अभिदाता के लिए आवश्यक होगा।

(2) ऐसा कर्मचारी जिसे किसी पद पर परिवीक्षाधीन नियुक्त किया जाता है, यदि स्थायी बना दिया जाता है तो वह एक स्थायी कर्मचारी बन जाएगा और वह अपनी प्रथम नियुक्ति की तारीख से इन विनियमों के प्रयोगनामं एक स्थायी कर्मचारी समझा जाएगा।

(3) (क) ऐसे कर्मचारी जो भिन्न प्रस्तावों कर्मचारी, जो किसी घन्य नियम में पहले से अंकदान कर रहा है, इस नियम में अभिदाता कर सकता है, यदि उसे ऐसा करने के लिए प्रभालयकों द्वारा अनुमति दी जाए।

(क्ष) सभु उद्योग बैंक से नैमित्तिक पारिषदिक से भिन्न पारिषदिक प्राप्त करने वाला कोई घन्य व्यक्ति भी इस नियम में अभिदाता कर सकता है, यदि उसे ऐसा करने की प्रभालयकों द्वारा अनुमति दी जाए:

परन्तु इस नियम में ऐसे व्यक्ति के नाम यदि कोई रकम जमा है और यह विनियम 19 के उपर्यों के कारण उसे संदेश हो जानी है, तो अपवाहिक मामलों में ऐसी रकम यदि ऐसी अनुमति प्रभालयकों द्वारा भी जाए तो ऐसे मामल तक इस नियम में उसके नाम जमा रहेंगे जब तक कि वह सभु उद्योग बैंक से नैमित्तिक पारिषदिक से भिन्न पारिषदिक प्राप्त करता है और विनियम 18 में दो गई किसी बात के होने हुए भी ऐसी रकम पर व्याज उपचित होता।

(4) विनियम 3 के प्रत्यंत इस नियम का संबन्ध किए जाने पर प्रत्येक स्थानांतरित कर्मचारी के बारे में यह समझा जाएगा कि वह इसका सदस्य बन गया है और यह इन विनियमों के प्रतुसार इस नियम में अंकदान करने के लिए बाध्य होगा।

(5) (1) प्रत्येक स्थानांतरित कर्मचारी के नाम घारीय औद्योगिक विभालय बैंक कर्मचारी अधिक्षित नियम में जमा जेप राजि इस

नियम में स्थानांतरित हो जाएगी और वह इस नियम में उसके बारे में जमा कर दी जाएगी।

(2) प्रभालयक किसी भी ऐसे कर्मचारी के प्रत्येक पर, जिनके लिए विनियम 7 के प्रत्यंत इस नियम में अभिदाता करना जल्दी है या जिसे इसकी अनुमति दी जानी है, के संबंध में उपर्युक्त नियोजना द्वारा इने पर भविष्य नियम से उसकी देय किसी राजि को जो ऐसे कर्मचारी के नाम जमा है, उस नियोजना द्वारा इस नियम में सीधे अंकदान करने पर प्राप्त कर सकते हैं।

(3) सभु उद्योग बैंक से यह घोला नहीं की जाएगी कि वह इस विनियम के प्रभालय नियम में मध्य रिसी रकम के संबंध में कोई अंकदान करे।

(4) यदि लभु उद्योग बैंक के कर्मचारियों के रिसी भेणी के कर्मचारी को बेतन या भनों की कोई वाहारा रकम में प्रत्येक हो जानी है और लभु उद्योग बैंक द्वारा यह लिये विद्या जाना है कि ऐसी वाहारा रकम या उमडा कोई भाग, यवास्थिति, नकद के रूप में संवित्ति नहीं किया जाता, विनियम यह संवित्ति कर्मचारी के भविष्य नियम बेतन में जमा दिया जाए, तो प्रभालयक लभु उद्योग बैंक के प्रत्येक पर ऐसे कर्मचारियों के नाम जमा राजि को उसके अधिक्षित नियम लेखों में इस प्रकार बना किये जाने के लिए प्राप्त करेगा।

परन्तु यह है कि सभु उद्योग बैंक से यह घोला नहीं की जाएगी कि वह इस नियम में मध्य रिसी गणियों के संबंध में कोई अंकदान करे।

(5) इन विनियमों में इसी बात के विवरोत होने हुए भी उम समय तक जब तक कि कोई सहयोगी संस्था अंगदेशक विनियम द्वा नियम, यवास्थिति, तेपार करने के प्रवाल् प्रपते स्थायी की भविष्य नियम स्थानित नहीं कर जेतो, प्रभालयक प्रपते विकेकानुमार ऐसे अवितुयों से अभिदाता, जो सहयोगी संस्थाओं के कर्मचारी हैं और उनकी ओर से नियोजना सहयोगी-संस्थाओं द्वारा अंगदान प्राप्त कर सकते हैं तबा इस नियम में ऐसे अभिदाता और अंगदान रखें एवं उनके लेखों का रखवाल करते और करते रहेंगे और इस बात के होने हुए भी कि ऐसे अभिदाता सभु उद्योग बैंक के कर्मचारी नहीं हैं प्रभाव नहीं रह गये हैं, ऐसे लेखों के संबंध में अवितुयों का प्रयोग प्रभालयकों प्रभाव ऐसे अवितुयों द्वारा किया जाए जिन्हें इस प्रयोगनामं प्रभालयक नामित करें।

स्पष्टीकरण:—इस विनियम के प्रयोगनामं एक संस्था को एक एक "सहयोगी संस्था" समझा जाएगा, यदि ऐसी संस्था की पूँजी में सभु उद्योग बैंक के 40 प्रतिशत नेपर है या कम से कम 10% नेपर है या अन्यतम 5% की दर से नियत की जाएगी।

(9) अभिदाता की दर (i) अभिदाता अभिदाता वारस्त करता है, अभिदाता वारस्त स्थायी प्रपते बेतन की अविकाम 10% और अन्यतम 5% की दर से नियत की जाएगी।

(2) उप-विनियम (1) के प्रधीन किये जाने अभिदाता के प्रतिरिक्ष कोई भी प्रधीन अभिदाता इस नियम में विनियम 9(1) के प्रधीन प्रभिदत राजि बटाकर प्रपते बेतन की यवि तक प्रभिदाता कर सकता है परन्तु यह उसके बेतन के 5% से कम नहीं होगा।

(3) उप-विनियम (ii) के प्रत्यंत इस नियम में प्रभिदाता करने वाला प्रत्येक अविष्य लभु उद्योग बैंक को एक नोटिस देगा, जिसमें इससे संबंध अविष्य-नियम कार्य 7 में प्रभिदाता की दर का उल्लेख किया जाएगा।

(4) लघु उद्योग बैंक द्वारा ऐसे प्रभिदाता को कठोरी उपके मासिक बेतन से पूर्ण रखने में अकलित राजि के रूप में कर दी जाएगी। प्रभिदाता द्वारा एक बार जब प्रभिदाता को दर ता कर दी जाती है तो इसमें परिवर्तन उम्मीद इच्छा की सिखित सूचना गिनते पर ही किया जाएगा जो कि उसके द्वारा कम से कम एक महीने पहले उस प्रधिकारी को दी गई हो जो उसे भुगतान करने के लिए विष्मेदार है।

सांकेतिकरण : —इस विनियम में प्रभिदाता को "बेतन" में

(i) मन बेतन, विशेष बेतन, वैशिक बेतन, विशेष वैशिक बेतन, समृद्धयार्थी बेतन और स्थानान्तर बेतन शामिल हैं।

(ii) कोई भता या पर्याप्त परिवर्तन तब तक शामिल नहीं है, जब तक इसका बोर्ड द्वारा बेतन के रूप में विशेष रूप ने बर्गीकरण नहीं किया गया हो।

(10) छुट्टी पर रहने द्वारा प्रभिदाता का प्रभिदाता :—छुट्टी पर अनुपस्थित रहने वाले प्रभिदाता के प्रभिदाता का नियांसु ऐसी प्रत्यक्षित के द्वारा उसके छुट्टी बेतन के प्राचार पर किया जाएगा परन्तु ऐसे किसी भी प्रभिदाता को यह स्वतंत्रता होगी कि वह अपने पूरे बेतन की रकम के प्राचार पर प्रभिदाता करे, परन्तु उसका करने को उसकी इच्छा की लिखित सूचना उसके द्वारा अपने छुट्टी बेतन के प्रथम भुगतान में कम से कम 14 दिन पहले उस प्रधिकारी को दी जाती है जो उसे भुगतान के लिए विष्मेदार होता है।

(11) लघु उद्योग बैंक का भ्रंगदान :—इन विनियमों में प्रथम्या को गई अवस्था को छोड़कर लघु उद्योग बैंक इस नियम में एक प्रभिदाता द्वारा प्रतिमास जिती राजि प्रभिदाता की जाती है उसके बराबर राजि का भ्रंगदान करेगा, परन्तु लघु उद्योग बैंक द्वारा विनियम 7 के उप-विनियम (iii) तथा विनियम 9 के उप-विनियम (ii) के अन्तर्गत अनुमति दिए गए प्रभिदाताओं के मामले में कोई ऐसा भ्रंगदान नहीं किया जाएगा।

यह और कि विनियम 7 के उप-विनियम (iii) के अन्तर्गत प्रभिदान करने वाले ऐसे प्रस्तावी कर्मचारी के मामले में, जिसकी बाद में लघु उद्योग बैंक में स्थायी नियुक्ति कर दी जाती है, लघु उद्योग बैंक उस कर्मचारी के स्थायी बना दिए जाएं और उसकी अस्थायी सेवा के होठन उसके द्वारा प्रभिदाता के बराबर रकम का भ्रंगदान करेगा।

यह और कि ऐसे प्रभिदाता के मामले में जिसे विनियम 7 के उप-विनियम (iii) के अन्तर्गत प्रभिदान करने की अनुमति दी गई है, लघु उद्योग बैंक में भ्रंगदान करने के लिए केवल तभी विष्मेदार होता जब कि ऐसे प्रभिदाता जो सेवा-जनतों में यह अवस्था है कि लघु उद्योग बैंक ऐसा भ्रंगदान करे।

(12) विनियम 11 में निहित किसी बात के लिए हुए जहाँ भी प्रथम प्रधार प्रबंध नियमका**** को सेवा-जनतों में यह उपबंध है कि वह इस नियम में प्राचार प्रभिदान करे, तो लघु उद्योग बैंक ऐसी जगत-जनतों के अन्तर्गत उस तारीक से जो साधु हो इस नियम में उसके लिए में प्रतिमास इतनी रकम का, यदि कोई हो, जितकी उस सेवा जनतों में अवस्था की गई हो, अंशदान करेगा।

(13) व्याज़ :—लघु उद्योग बैंक प्रत्येक छह महीनों के प्रथम में प्रत्येक प्रभिदाता के नाम जमा रहम पर ऐसी दर से व्याज जमा करेगा, जो उस प्रतिमास को व्याज में रखकर लघु उद्योग बैंक द्वारा नियंत्रित की जाएगी, जो कि इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा तैयार किए गए विनियमों, योजनाओं या दिए गए नियंत्रणों के अनुसार प्रथम प्रधार प्रबंध नियम, अर्थात्, धार्मिक घोर व्याज तथा पर्याप्ताम नियमों में ऐसी नियम से ग्रान्त किए जा सकते हैं। परन्तु जब यह है कि व्याज की दर विकास बैंक द्वारा उसके कर्मचारी प्रधार नियम के मामले में दी गई दर के बराबर** होती है। ऐसा व्याज प्रत्येक प्रभिदाता के मासिक पृष्ठनकल के

प्राचार पर पूर्ण रूपे तक प्राक्षित किया जाएगा तथा 31 मार्च और 30 मित्राम्बर को प्रवैकायिक सेवों पर साधु किया जाएगा।

(14) प्रत्येक प्रभिदाता के लिए का आपिक विवरण :—प्रत्येक प्रभिदाता प्रशासक से एक आपिक विवरण प्राप्त करेंगे, जिसमें निधि में उसके नाम जमा राजि का उल्लेख किया जाएगा।

(15) निधि से उधार लेना :—(i) प्रभिदाता द्वारा प्राप्तेवन किये जाने पर तथा उद्योग बैंक स्वविवेकान्तराल एक प्रस्तावी प्रधार, जिसकी राजि प्रभिदाता के प्राप्ते प्रभिदाताओं द्वारा उग पर लगे व्याज से किसी भी मामले में निधि में उसके नाम जमा राजि से प्रधिक नहीं होगी, निम्न-नियम शर्तों के प्रतीक मजबूर किया जा सकता है :—

(क) लघु उद्योग बैंक प्राप्तवस्तु हो कि यह राजि विम्नलिखित उद्देश्य या उद्देश्यों के लिए बच्चे की जागरूकी और अनुद्योग नहीं।

(1) प्रभिदाता या उग पर वास्तव में प्राप्ति जिसी व्यक्ति की जीवांगी या अग्रजनता के संबंध में किए गए बच्चे के भुगतान के लिए, जटा कर्ता जहाँ हो, उसमें यात्रा बच्चे भी शामिल है।

(2) प्रभिदाता व्यवहा उग पर वास्तव में प्राप्ति कोई व्यक्ति की जीवांगी उद्देश्य का लिए व्यवहा के संबंध में जिसमें, जहाँ जहाँ व्यावश्यकता हो, यात्रा बच्चे भी शामिल है, निम्नलिखित मामलों में, जैसे :—

(क) हाई स्कूल वी जिला के स्तर से पापे भारत के बाहर जिसी विधियां, तकनीकी, व्यावसायिक प्रधार गोव्यारपत्र वाड्यक्रम के लिए, जो डिप्पी/डिप्लोमा या प्रमाणपत्र की प्राप्ति हेतु है।

(3) प्रधारी हीमियत के उपयुक्त स्वर तक प्रगतियां खाने के भुगतान के लिए, जो किसी प्रभिदाता को प्राप्ते स्वयं या प्राप्ते बच्चा या जिसी ऐसे व्यक्ति के, जो उग पर वास्तव में प्राप्ति है, के विवाहों पर्याप्त समाजहांगे के संबंध में बच्चे करना है।

परन्तु यह कि वास्तविक प्रभिदाता की जरूर प्रभिदाता के पुत्र या पुत्री प्रधार प्रभिदाता के मातापिता के व्यस्त्येटि-संस्कार का बच्चे पूरा करने के लिए प्रधारित प्रधिम में लागू नहीं होगी;

(4) प्रधारी कार्यालयीन इयूटी नियाने में उसके द्वारा किए गए किसी कार्य प्रधार प्रभित्र किसी कार्य के किये जाने के संबंध में उसके विवर भगाये गए किसी आरोप के संबंध में, उसकी स्थिति को जिसोंप डहाने के लिए प्रभिदाता द्वारा की गई कानूनी कार्यवाही भा बच्चे पूरा करने के लिए इस मामले में प्रधिम जिसी प्रथा प्रधिम की प्रतिरक्षित प्रध्यंत संत से इसी उद्देश्य के लिए स्वीकार्य है :

परन्तु जब यह है कि इस उप-बंध के अन्तर्गत किसी भी देसे प्रभिदाता को जो या तो एकी कार्यालयीन इयूटी से भ्रम्बद्ध किसी मामले या किसी तरा जरूर प्रधारा उग पर लगाये गए घयदेंड के संबंध में लघु उद्योग बैंक के विवर किसी व्यावसाय में कानूनी कार्यवाही करता है, प्रधिम स्वीकार्य है :

(5) पर्द किसी व्यावसाय में लघु उद्योग बैंक द्वारा प्रभिदाता पर प्रधियोगन चलाया गया है तो उपरोक्त व्यावहा का बच्चे पूरा करने के लिए;

(6) कोई ऐसा प्रथम बच्चे या व्यावहा को पूरा करने के लिए जो लघु उद्योग बैंक को राय में प्रधारागति और असाधारण तथा प्रभिदाता के सामाजिक साधनों के बाहर है।

(7) किन्तु रियोप कारणों से सिवाय कोई भी प्रधिम,

(1) 3 महीने के बेतन ("बेतन" त्रिसकी परिभाषा पिनियम 9 के स्पष्टीकरण में दी गई है) या इस निधि में अधिकाता के प्रपत्रे इवं के अधिकारों की आदी राशि और उस पर लगे व्याज, इनमें से जो भी कम हो, से अधिक नहीं; या

(2) तब तक भूत्र न किया जाए जब तक कि त्रिसकी प्रथम को प्रतिम प्रदायनी न कर दी गई हो।

(ii) (क) अधिकाता से कोई भी प्रथम उन समान विस्तों में व्यूत किया जाएगा जिनके लिए लघु उद्योग बैंक निवेदन देता, परन्तु यह किस्त संख्या 12 से कम नहीं होगी जब तक कि अधिकाता ऐसा करता न जाए या यह किस्त संख्या 24 से अधिक नहीं होती बरते तो से विशेष मामलों में जहाँ प्रथम की राशि तीन महीने के बेतन से अधिक है जेसा कि उप-विनियम (i) के छठे (छ) के अनुसार अवश्यक हो गई है। ऐसे मामलों में लघु उद्योग बैंक किसी की संख्या 24 से अधिक निर्धारित कर सकता है, परन्तु किसी भी स्थिति में वे 36 से अधिक न हों। अधिकाता प्रपत्रे विकल्प से एक मास में एक से अधिक किसी से सकता है। प्रत्येक किस्त पूरे रूप में होगी, यदि आवश्यक हो तो ऐसी किस्तों के निर्धारण को रोकीकर करने के लिए प्रथम की राशि को बढ़ाया या घटाया जा सकता है।

(ब) वसूलियां तभी शुरू होंगी, जब कि अधिकाता प्रथम जेन के बाद पहली बार पूरे महीने का प्रपत्र बेतन लेगा। जब कोई अधिकाता पूरे बेतन पर छुट्टी से भिन्न छुट्टी या निवाह अनुदान पर हो, अधिकाता को राखति के बिना वसूली नहीं दी जाएगी।

(ग) इस उप-विनियम के प्रत्यार्थ की गई वसूलियां ज्यों ही बे कर ली जाती हैं, इस निधि में अधिकाता के लेखे में जमा की जाएंगी।

(16) (1) लघु उद्योग बैंक के विवेकानुसार और ऐसी शर्तों और परिसीमाओं के अधीन जो वह लागू करे अधिकाता को इस निधि में उसके नाम जमा राशि से किसी सहायता आवास सोसाइटी से ऐपर घरीदाने या बवाना के रूप में प्रथमा अन्यथा कोई रकम जमा करने या ऐसे भुगतान करने के प्रयोजनार्थ आवेदन देने पर प्रथम स्वीकृत किया जा सकता है परन्तु प्रत्येक मामले में यह केवल प्राप्ति रिहायश के लिए एक उपर्युक्त घर या परिवार आवास उस पर आधिकृत किसी व्यक्ति के लिए रिहायश प्राप्त करने के उद्देश्य से हो।

(2) इस विनियम के प्रत्यार्थ कर्मचारी को सेवा के दोरान बेवल एक बार प्रथम जेन को अनुमति दी जाएगी और यह इस निधि में अधिकाता के अधिकारों और उस पर लगे व्याज की राशि प्रथमा प्रयोजन त्रिसके लिए प्रथम के लिए आवेदन किया गया है, के लिए प्रतिनिधित्वात्विक राशि से, इनमें जो भी कम हो, अधिक नहीं होगी।

(3) इस विनियम के प्रत्यार्थ प्रथम इनी मासिक विस्तों, इनमें समय तक तथा इनी राशि में व्यूत किया जाएगा जिसके लिए लघु उद्योग बैंक निवेदन देता परन्तु किसी भी मासिक में किसी की संख्या 120 से ज्यादा नहीं होगी। अधिकाता आवास विकल्प से एक महीने में एक रोपथिक किसे दे सकता है और प्रत्येक किसे दे सकता है जो भी अवधि नहीं होगी।

(17) बीमा पालिसी:— (1) लघु उद्योग बैंक द्वारा जारी रखी गई या अनुमोदित बीमा योजना के प्रत्यार्थ अनुमति अधिकाता की जीवन बीमा पालिसी से संबंधित भुगतान करने के लिए रकमें इस निधि के अधिकारों से रोकी जा सकती है या अधिकाता इस द्य मंथ में अधिकत राशि से (त्रिसके इस पर लगा व्याज भी दूसिया है), भुगतान का रकम ही है। इस अधिकृत पर इस प्रदाता रोकी गई कोई भी रकम विनियम 11 के प्रत्यार्थ लघु उद्योग बैंक के अंदराग के आकलन के प्रयोजनार्थ अधिकार का लिया जाएगी।

(2) जहाँ उपर्युक्त उप-विनियम (1) के प्रत्यार्थ अधिकाता द्वारा इस निधि के अधिकारों से रकमें रोक लो जाती है या इससे संबद्ध अधिकृत रकमों से प्रत्याहरित की जाती है तो बीमा पालिसी त्रिसके संबंध में ऐसी रकमें रोक लो जाती है या प्रत्याहरित की जाती है व ऐसी पालिसी के संबंध में बीमा त्रिसके मुगालन के प्रतिपत्त्वस्वरूप तथा

ऐसी शर्तों पर लघु उद्योग बैंक में अंतरित भी जाएंगी जो कि बीमाकर्ता से लघु उद्योग बैंक द्वारा व्यूत की गई राशि, बदि कोई हो, के सम्पर्क में लघु उद्योग बैंक नाम कर सकता है।

(18) व्याज एवं उपचित होना बंद हो जाता है:— इस निधि के यातां में अधिकाता के नाम जमा सभी रकमों पर व्याज निम्नांकित प्रवधि से अधि. महीने की अधिक समाप्त होने पर उपचित होना बंद हो जाएगा।

(क) त्रिस दिन वह लघु उद्योग बैंक की नीकी छोड़ देता है, या

(ख) यदि वह लघु उद्योग बैंक की सेवा ऐसी किसी छुट्टी की मामालित पर छोड़ देता है जो उस तारीख से प्रथमा उस तारीख के बाद आरंभ होनी है तिस तारीख को वह लघु उद्योग बैंक की सेवा में निवृत्त हो जाता, परन्तु वह छुट्टी पर नहीं जाता प्रथमा छुट्टी की त्रिसी प्रधिकृत के द्वारा उसकी मृत्यु हो जानी से उस दिन में त्रिस दिन त्रिसी मृद्दी की अधिक आरंभ होती, प्रधिकृत

(ग) यदि लघु उद्योग बैंक की सेवा छोड़ने से पूर्व उपर्युक्त वह (द) में उल्लिखित परिस्थितियों से लिए परिस्थितियों में उसकी मृत्यु हो जाती है तो उसकी मृत्यु की तारीख से परन्तु यह कि त्रिसी भी मामले में छह महीने की उत्त प्रधिकृत की समाप्ति के पूर्व,

(i) अधिकाता या किसी प्रथम व्यक्ति के अनुरोध पर, त्रिस विनियम 25 के अन्तर्गत इसमें मंदिर हों, तो उस रकमें या उसका कोई भाग संवितरित करने के लिए प्राधिकृत रिया जाता है, प्रधिकृत

(ii) किसी न्यायालय या व्यायाधिकरण के प्रादेश के अनुग्रहण में उत्त प्रधिकृत रकमें मंदिर हों, तो उस रकमें या न्यायाधिकरण के आदेश से अनुग्रहण दिया जाता है।

उत्त प्रधिकृत रकमों पर या रकमों के किसी रूप पर, प्रधारिति, त्रिस तारीख से उन रकमों पर उनके किसी रूप से संवितरण के लिए प्राधिकृत रिया जाता है या ऐसे न्यायालय प्रथमा व्यायाधिकरण के आदेश पर भुगतान किया जाता है व्याज उपचित होना बंद हो जाएगा।

यह और कि उपर्युक्त छह महीने की अधिक समाप्त होने के बाद लघु उद्योग बैंक प्रपत्रे विवेकानुसार, इसके लिए किसी प्रकार की बाध्यता के अधीन न होते हुए, निधि के बालों में अधिकाता के नाम जमा सभी रकमों पर प्रधिकृत और एक वर्ष के लिए व्याज की अनुमति दे सकता है लेकिन यह तभी होगा बदि सभु उद्योग द्वारा आगवस्त हो जाए कि अधिकाता या उसके नामिती या नामितियों या विधिक प्रतिनिधियों यथानिति को ऐसी रकम का संदाय न किए जाने का कारण अधिकाता या उसके नामिती या नामितियों या विधिक प्रतिनिधियों व्याजस्विति से स्तर पर दृष्टा व्यतिक्रम या भूल नहीं था।

(19) अधिकाता के नाम जमा राशि द्वा भुगतान (1) अधिकाता:— जो नाम जमा रकमें दसवीं सेवा समाप्ति या उसकी मृत्यु होने पर संदेश हो जाएगी:

परन्तु यह कि कोई अधिकाता सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर है तो प्राप्ति ये इस निधि में उसके नाम जमा रकम में दसवीं राशि प्राप्ति पर काना है जो इसके अधिकारों द्वारा उस पर लगे व्याज में प्रधिकृत न हो:

परन्तु यह दी कि अधिकाता भी, विसी वह व्यक्ति पर व्याजी व्यापारी विनियम 7 के अंदर (iii) के उप-विनियम (d) अन्तर्गत इस निधि में अधिकार करने की अनुमति भी बहुती है, लघु उद्योग एवं प्रपत्रे त्रिसके अधिकार में 15 वर्ष तकी सेवा समाप्ति पूरी होने पर किसी भी सभी प्रधिकृत प्रथम व्याज के लिए है भ्रमा 20 वर्ष की सेवा पूरी होने पर यदि प्राप्ति व्यापकों के लिए है और सेवा निवृत्ति भी तारीख से पूर्व अन्तर्गत 10 वर्ष

के दोरमें या उमरको विनिविष्ट पदावधि की समाप्ति कस तारीख को, यथास्थिति, उप विनियम (ii) (iii) और (iv) में लिए गए प्रयोजनों के लिए तथा उनमें निहित उपर्युक्तों के अधीन इस निधि में उसके नाम अमा रकमों से उतनी राशि प्राप्ति करने की अनुमति दे सकता है, जिसे विनियम 20 में निर्दिष्ट किया गया है।

इसके बारे में यह योग कि यदि सभु उद्योग बैंक को समिति या सभु उद्योग बैंक का कोई अधिकारी जिसे कि समिति इह उद्देश्य से विनिविष्ट करे तो ऐसे निर्देश पर उम रकम में से कठोरी भी जा सकती है और उपु उद्योग बैंक को भ्रमतान किया जा सकता है—

(क) सभु उद्योग बैंक के प्रति अभिदाता द्वारा अपने ढार लिए गए दायित्व के प्रत्यंत देय कोई राशि जो उमके लिये में सभु उद्योग बैंक द्वारा अंगदान की गई कुल राशि की सीमा तक है तथा जिसमें उसके संबंध में जमा किया गया व्याज भी शामिल है;

या

(ख) जहां अभिदाता को बाबाचार या पूर्ण लापरवाही के कारण सेवा से पदच्युत किया गया है या जहां अभिदाता ने प्रानी निरंतर सेवा के प्रारंभ में पांच बर्ष के भीतर जिसमें अस्थायी सेवा भी शामिल है, सभु उद्योग बैंक के अपने रोजगार से त्याग पत्र दिया है, तो उस संबंध में व्याज सहित ऐसे अंगदानों की पूरी राशि अधिका उमका कोई भाग।

स्पष्टीकरण :

इन विनियमों के प्रयोजनार्थ विकास बैंक से स्थानांतरित कमेंचारी द्वारा की गई सेवा को सभु उद्योग बैंक में उसके द्वारा की गई सेवा समझा जाएगा।

(ii) (क) ऐसी लक्षोंके अधीन जो सभु उद्योग बैंक द्वारा लगायी जा सकती है उप-विनियम (1) के दूसरे परन्तु के प्रत्यंत रकम के प्राप्ति अनुमति निम्नलिखित के लिए भी जा सकती है :

(1) निम्नलिखित मामलों में अभिदाता पर बास्तव में आधिक उसके किसी भी ऐसे बच्चे को उच्च जिक्र का वर्च पूरा करने के लिए जिसमें जहां आवश्यक हो याका वर्च शामिल है, जैसे—

(i) हाई स्कूल स्ट्रुक्चरल एंजिनियर, टकनीकी, अवासायिक या रोजगार पर प्राप्तकर्म के लिए भारत से बाहर जिक्र के लिए, और

(ii) दस वर्ष के स्कूली छायाचार के बाद किसी मान्यताप्राप्त संस्था द्वारा संबलित किसी डाकटी, इनीशियरी, टकनीकी, अवासायिक या विशेषता संबंधी रोजगारप्रकर प्राप्तकर्म के लिए, किसी डिपो/डिपोलोग या प्रमाणपत्र के संबंध में है।

(2) अभिदाता के स्वयं या अभिदाता के पुत्र या पुत्री और यदि उसको कोई पूरी नहीं है तो उस पुर प्राप्ति अन्य किसी महिला यित्रेशार के विवाह का वर्च पूरा करने के संबंध में।

(3) अभिदाता या उस पर बास्तव में कोई पार्थित भी प्रत्येक अधिकारी का वर्च पूरा करने के संबंध में जिसमें जहां कहीं आवश्यक हो याका वर्च भी शामिल है।

परन्तु यह कि अभिदाता अपने विकास से उमके द्वारा द्वारा-प्रकार प्रत्याहरित संपूर्ण रकम को या उमके कियो भाग को इस निधि में एकमुक्त नोटा दिया है।

(य) वांद (ग) से (अ), ताफ उपर्युक्तों के अधीन उप-विनियम (1) के दूसरे परन्तु के प्रत्यंत रकम के प्रत्याहरण की अनुमति निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए भी जा सकती है, जैसे—

(1) मकान या मकान के लिए साइट खरीदने देते;

(2) अभिदाता अधिका अभिदाता के पति/पत्नी या यथास्थिति उन दोनों के संयुक्त नाम पर होने वाले भूमंडल पर मकान बनाने के लिए, ऐसे पति/पत्नी इन विनियमों के प्रत्यंत एक नामांकितों के रूप में हो

प्पोर ऐसा नामांकन प्रत्याहरण के लिए आवेदन की तारीख को अस्तित्व में हो;

(3) ऐसी बारीद या मकान के हेतु, जिए गए अन्य की अदायगी (विसमें खरीदे गए मकान या साइट अधिका बने बनाये मकान की बारीद पर प्राप्त ऐसा ग्रहण शामिल है);

(4) अभिदाता पहले से जिस मकान का स्वामी है या जिसे उसने रायित्वित किया है या वैकृत भंकान जिसमें अभिदाता पर लागू वैयक्तिक कानून के प्रत्यंत अभिदाता का अपना हित है, का पुनर्निर्माण या उसमें पृष्ठ या परिवर्तन करने के लिए;

(5) मकान या किसी साइट के अधिष्ठान के संबंध में स्टांप ग्रहक प्पोर रजिस्ट्रेशन वर्च की अदायगी ;

परन्तु यह है कि सिवा ऐसे मामले में जो विनियम 19 के उप-विनियम (v) के प्रत्यंत आः हो, प्रत्याहरणों की अनुमति एक मकान या साइट से अधिक मकान या साइट की प्राप्ति के लिए स्वीकृत नहीं की जाएगी।

(ग) बारीद या या इनाया या मकान स्वयं अभिदाता के लिए होना चाहिए और साइट के भावने में यह स्वयं अभिदाता के मकान निर्माण के लिए होनी चाहिए, मकान या साइट ऐसे स्थान पर होते, जहां अभिदाता कार्यरत है या ऐसे स्थान पर जिसके बारे में उसके लिखित कर्म में सूचित किया है कि वह उस स्थान पर अपनी सेवा-नियुक्त के बाद रहना चाहता है।

(घ) जिस राशि के प्रत्याहरण रूप अनुमति भी गई है वह प्रयोजन जिसके लिए ऐसी रकम प्रत्याहरित करने की अनुमति भी गई है, के संबंध में अपेक्षित राशि से अधिक नहीं होती। बास्तव में अपेक्षित राशि से अधिक प्रत्याहरित राशि तत्काल बापत सोटानी होती।

(ङ) अभिदाता से किसी भी समय यह अपेक्षा की जाएगी कि वह सभु उद्योग बैंक को जैसा कि उससे बैंक को उसके लिए इसका उद्योग ऐसे प्रयोजन के लिए सिर्फ उद्योगों बैंक को प्राप्तवस्तु करे, जैसे—

(1) कि जिस राशि के प्रत्याहरण की मात्रा की गई है या अनुमति भी गई है वह बास्तव में उसी प्रयोजन के लिए अपेक्षित है, जिसके लिए इस प्रत्याहरण की मात्रा की गई है यद्यवा अनुमति भी गई है और इसका उद्योग ऐसे प्रयोजन के लिए किया गया है;

(2) कि जिस राशि, अन्य नियमों के साथ यदि कोई हो, जो अभिदाता को उपलब्ध है, के प्रत्याहरण की मात्रा की गई है यद्यवा अनुमति भी गई है वह उस उद्योगन के लिए वर्त्तित है, जिसके लिए ऐसे प्रत्याहरण की मात्रा की गई है या अनुमति भी गई है;

(3) अभिदाता को उस साइट या मकान या जहां निर्माण ऐसी साइट, पर किया जाना है, पर जो अभिदाता के पति/पत्नी या उन दोनों के संयुक्त नाम पर है, तूर्ह स्वत्व बापत है या उनके प्राप्त कर जिक्र है अधिक उस साइट या मकान के संबंध में वह पूर्ण स्वत्व बापत कर देना चाहा।

(4) अभिदाता ने मरान के लिए आवश्यक सभी अनुमतियां और अनुमोदन बापत कर लिए हैं या बापत कर देना और अभिदाता ऐसी आवश्यकता को पूरा करेगा।

(5) यदि रकम का प्रत्याहरण भकान विषयक के लिए है तो ऐसे मकान का नियमण छू यहीं या ऐसी यथायकी की मामला ने पूर्व शुक्र किया जाएगा, जिसके लिए सभु उद्योग बैंक अनुमति देगा और ऐसे प्रत्याहरित रकम या उमके किसी वर्च की अभिदाता द्वारा प्राप्ति की तारीख से अदायक यहीं या ऐसी यथायकी की समाप्ति पर वह पूर्ण किया जाएगा, जिसके लिए सभु उद्योग बैंक की अनुमति देगा।

(८) यदि प्रत्याहरण किसी छल की प्रदायगी के लिए है तो ऐसी प्रदायगी प्रत्याहरण की रकम या उसके किसी भाग की प्रभिदाता हारा प्राप्ति की तारीख से तीन महीने के भीतर की जाए।

(ज) यदि प्रस्तावरण मकान निर्माण के प्रयोगनार्थ है, तो जिस राशि के प्रत्याहरण के लिए अनुमति दी गई है, उसका भूगतान मकान निर्माण में की गई प्रगति को ध्यान में रखकर हत्ती किस्त मंधाराओं और इतने समय तक किया जाएगा, जो कि हस्त उपयोग वैक प्रस्तावित होते हैं।

(म) प्रविदाता सभु उद्योग वैक को पूर्व निश्चित प्रत्ययित के बिना स्थल प्रदान मकान का हस्तांतरण नहीं करेगा, उसे बंधक नहीं रखेगा या प्रन्यथा संश्लिष्ट नहीं करेगा, अतिक्रम की स्थिति में प्रविदाता प्रत्याहारित संपूर्ण राजि को प्रदायकी एक किस्त में करने के लिए विधिपैदार होगा।

(अ) परिदाना परनी इच्छा से उमके हारा प्रत्याहृति मंत्रणं रक्षम् या उसका कोई भाग इस निधि में नोटा सकता है।

(iii) उप-विनियम (ii) के प्रयोगस्थ "मकान को स्वरोद" प्रभाव-धर्मित में निष्पन्निति जारीन होते--

(क) एक महारारी प्रावर्मिय सोनायटी के सदस्य के शृंग में, जहां ऐसी सोनायटी में शेयर छारों कर धनवा इस सोनायटी हाई प्रावर्टिन रिहायर्स प्रावर्तन के गंभीर में ऐसी सोनायटी के पास रहकर जला करके धनवहन; प्रारं

(४) दिसो प्राचीमीं वाई, नवर मुग्गर न्याम या प्रचं रसाले प्रधि-
करण से, त्रिवहा घटन या स्वत्वा इस समय लागू किसी
कानून के अन्तर्भूत को नहीं हो, एक रिहायशी प्राचीमी या परि-
सर की कियाया खरोद या अन्यामा प्राधार पर खरोद;

तथा उपचिन्तियम् (ii) के बंद (३), (४), (५) (१),
 (६) (२), (७) प्रीत (८), जहां तक संबंध हो, ऐसे
 प्रधिष्ठान या खरोड़ के लिए प्रत्याहरणों पर तदनुसार लागू
 होंगे।

(iv) उम्बिनियम् (iii) के साथ पठित उम्बिनियम् (ii) के घन-
बंत यदि प्रत्याहरण को घनमति दी गई है तो निम्नलिखित
मत्ते सार्व होंगी।

(क) अधिकारी से प्रेक्षा को जा सकती है कि वह तथु उद्योग वैदिकों द्वारा इस बात के लिए प्राप्तवाता करे कि उसने संबंधित सहायारों प्रावासीय संसाधनों में नेपाली का हक प्राप्त कर लिया है या उसके दस्तावेज़ प्राप्त कर लिए हैं, जो उस संसाधनों में रहाँ के जमा करने का प्रमाण है प्रवासी उम्मेद दस्तावेज़ प्राप्त कर लिए हैं, जो इप रामद लाभ कानून के अन्तर्गत या स्वापित प्रावासीय बोर्ड, नगर सुधार न्याय प्रवासी प्रवासी एंसे प्राधिकरण से किया खरीद प्रावास पर या प्रवास दर्ती गया रिहायी प्रावास या परिवर्त पर उसके अधिकारी का प्रमाण है।

(ब) प्रत्याहरण की रूपया उत्तर किसी भाग को परिवर्तन द्वारा प्राप्ति की तारीख से ए महेने या ऐसी सम्भव प्रवधि को समर्पित से पहले, जो कि रम्य उद्योग वैक स्वीकृत करेंगी, सदस्य रिहायलो भावात् प्राप्त करेंगा।

(ग) इन रागियों की स्तरों किलों धूरे एवं समय पर प्रत्याहरण को अनुसरि दी जाएगी, जो लप्त उच्चाव वैक निर्दिशित करेगी।

(प) लक्ष्य उद्दोग वैज्ञानिक प्रवृत्ति-तिथित मनुष्यति के बिना अभिभावता उन पारबंदित रिहायशों प्राचीन से संबंधित ऐसे जेयर या जेयरों जमा राशि या अपने हितों का हस्तांतरण, समनुदेशन नहीं करता। अथवा उन पर कोई क्रमभार नहीं डालता, अतिक्रम का स्थिति में अभिभावता की यह विद्यमान होगी कि वह प्रतिरक्षित मनुष्य राशि को तापसी तरहान एक दिन में कर।

(v) इन विनियमों के प्रत्येक प्रदृशहरित रकम को सहापना से परिवर्तन ने जो घावात प्राप्त किया है उसके किसी भी दृश्य रूप को, चाहे जो भी हो, हस्तांतरित, समनवैधित या उस पर किसी

भी अधिकार के सूचन करने को स्वीकृति में, देते। हस्ताक्षरण समनुदेशन या हित के सूचन करने पर, बवालिति, उसके द्वारा प्रश्नाहरित संगीं राजि सबु उद्योग ईह को दुरंत लोटारी होगी।

परन्तु यदि ऐसे हास्योंतरण, सम्बुद्धेश्वर या हिंत का मृत्युन लघु उद्योग बैक की प्रशुभिति से किया जाता है और प्रशुभिता ने लघु उद्योग बैक को प्रत्याहृति रक्षण देता ही है तो वह इस विविध से इन विविध गों के पश्च उत्तरवाँच के पश्चेन नये निर्माण में रक्षण के प्रत्याहृति का पात्र होता ।

(20) रकम प्रत्याहरण के संबंध में सीमातं प्लॉट्टरों जहाँ (i) इस निधि में उनके नाम जमान राजा से विनियम 19 के बांड (क), या उन-विनियम (ii) के बांड (च) के उन-बांड (4), में उल्लिखित एक या अधिक प्रयोगोंनां के लिए लियो भी सभी परिवासी द्वारा प्रत्याहरित बांड भी रकम मापदंडन: उनके द्वारा परिवासीनों द्वारा उन पर सभे आवश्यक या उन मोदीन के बेतन (बेतन जैसा कि उनकी परिवासी विनियम 9 में दिया गया शब्दों करण में दी गई है), इतने जो भी कम हो, से अधिक नहीं होते। तथापि, नास्याहुनि देने वाला प्रतिकृति इन सोबत से अधिक (i) उद्देश्य विषय के लिए रकम प्रत्याहरण को जा रही है, (ii) अधिकारों को हैमिन प्लॉट्टर (iii) इन निधि में उनके स्वदं के अधिकारों द्वारा उन पर सभे आवश्यक का ध्यान में रखकर इन लिंग में उनके खुद के परिवासीन प्लॉट्टर उन पर लगे आवश्यक के $3/4$ को सीमा। तक प्रत्याहरण के लिए मंड़ग्रे दे सकता है।

(ii) विनियम 19 के उपनियम (ii) के छंटे के (ब) के प्रस्तुति (उप-छंटे के उप-इंट (4) के तिवार) प्रदिवारा द्वारा प्रयोगहरण कोई नहीं रखा जाता है। उनके प्राप्ति प्रदिवारों और उन पर सभे दातव्य से प्रधिक नहीं होती।

परन्तु यह कि ऐसे मामले में जहाँ परि और पत्नी जो दानों, नशे, डॉग बैंक के करेवारी है और इस निधि में अधिकार कर रहे हैं तबा एक डॉग के नामांकिती है, भूमि द्वारा प्रत्याहरण की दृष्टि रखिए, जो कि दानों में से किसी एक के नाम पर मानव प्राप्त करने के लिए उन दानों में से किसी एक के नाम पर मानव प्राप्त करने के लिए उन दानों द्वारा धन को जा सकता है, वह ऐसी रुपी से विविध बहुत होगी जिनका विविधता तभी उत्तोग बैंक द्वारा समय-समय परं अपेक्षित अधिकार दानों के लिए किया जाए।

(iii) परिवर्तन किसे विनियम 19 के द्वारा विनियम (ii) के प्रत्यक्षीय उन नियम से प्रशंसित कर सकता है? यह पर्याप्त है, यदि उन्हें वर्णन करता है। उन मुख्यतः वर्तमान के भोटर लघु उद्योग वर्ग का धारावाहक करेगा कि यह इन डिजी प्रयोगम् के लिए इसीलिये विया गया है विस्तरे तिथि। यह निकाता या या और यदि वह ऐसा महीना करता है तो इस प्रकार प्रत्याहारित सम्बूधन रखता या उसमें से इनमें रखता या कि उन प्रयोगवर्ग के लिए, जिनके लिए यह प्रत्याहारित की जरूरत योग्यता नहीं की गई है, तुरन्त इस नियम के परिवर्तन द्वारा विनियम 13 के प्रत्यक्षीय प्रशंसित वर्ग पर यह उन पर्याप्त सहित एकमुख्य हृषि में तत्वावधार का कारणीय भोटर से भुगतान के प्रकार तथा लिये जाने पर लघु उद्योग वर्ग यह प्राप्त होता है। कि यह उनमें परिवर्तित होता है एकमुख्य हृषि में या इनमें किसीमें, जिनमें विवरण लघु उद्योग की रूपीता ।

(21) अंदम का प्रत्याहरण में विविधता : इन्हिनेता विसे विनियम 13 वा 16 के अनुसार उनमें विविधता प्रदाताओं में से किसी के किसी पूर्णप्रयत्न स्वीकृत रिया गया है। उनमें सबूत उत्तरांश बैंक डाक विभाग 19 के अनुसार उत्तरांश विभाग में निर्धारित लालेख जटी को उत्तरांश डाक पूरा करने पर वकारा घटियम को प्रत्याहरण में बदलवाने की घनुभव दी जा सकती है।

(22) विविधों के प्रत्यायोजन संबंधी संस्कृति प्राधिकारी और उनका प्रत्यायोजन (i) प्रान्तामक ऐसी जगती के घट्टांत, जो ये लगाना उचित ममताने हों, मधु उद्योग बैंक के विभिन्न प्रधिकारी को, जिसे वे इस संबंध में वित्तियों करें, विनियम 5 और विनियम 7(iii)(ए) के प्रत्यक्ष द्वारा प्रदत्त विविधों की ओर इन विविधों द्वारा उन्हें प्रदत्त विविधों में से ऐसी या विविधों विविधों का प्रत्यायोजन कर सकते हैं।

(ii) उप-विनियम (i) के उपर्योग पर प्रतिकूल प्रभाव दाने विना

(क) विनियम 15 या विनियम 16 के प्रत्यक्ष प्रधिकारी के छह महीने के बेतन या प्रधिकारी के प्रत्यक्ष द्वारा के घट्टांत प्रधिकारी को और उन पर सभे व्यापक का आधा, इनमें जो भी प्रधिक हो, तक का प्रधिक महा प्रबंधक द्वारा मंजूर किया जा सकता है और इन विनियम के अन्तर्गत प्रथा कोई प्रधिकारक निर्देशक या प्रबंधक द्वारा मंजूर किया जा सकता है।

(ख) विनियम 19 के उप-विनियम (i) के प्रथम प्रत्यक्ष के प्रत्यक्ष प्रयोगरण महा प्रबंधक द्वारा मंजूर किये जा सकते हैं।

(ग) विनियम 19 के उप-विनियम (i) के दूसरे प्रत्यक्ष के अन्तर्गत प्रधिकारी के छह महीने के बेतन या प्रधिकारी के प्रत्यक्ष द्वारा के घट्टांत प्रधिकारी को और उन पर सभे व्यापक का आधा रकम का प्रत्याहरण, इनमें से जो भी प्रधिक हो, के लिए मंजूरी महा प्रबंधक द्वारा दी जा सकती है और इन विनियम के अन्तर्गत प्रथा किसे प्रत्याहरण के लिए मंजूरी कार्यालयक निर्देशक या प्रबंधक द्वारा दी जा सकती है।

(iii) इस विनियम के प्रयोगनाम —

(क) "महा प्रबंधक" में उग महा प्रबंधक और प्रबंधक भी जापित है।

(ख) "बेतन" से वही प्रधिकारी है जो विनियम 9 के स्थानीकरण में दिया गया है।

(23) नामांकन (i) प्रत्येक प्रधिकारी इन विविधों के साथ उड़े प्रवत 2 में प्रपत्ते परिवार के उन एक या एक से अधिक सदस्यों को नामांकित करेगा, जिन्हें उसकी मृत्यु हो जाने पर उनके नाम जमा राखि सदैय हो जाए। प्रधिकारी जिसका अपना परिवार नहीं है, वह इन विविधों के साथ उड़े प्रवत 3 में एक अधिक को नामांकित करेगा परन्तु नहीं यह है कि ऐसा नामांकन तंद तक बैध होगा जब तक प्रधिकारी विवाहित नहीं हो जाए और परिवार कोई सदस्य बाद में चर बता लेता है तो वह प्रधिकारिक तौर पर पहला नामांकन रद्द कर देगा और प्रवत 2 में परिवार के एक सदस्य का नामांकन करेगा।

परन्तु यह कि स्वानोन्तरित कर्मचारी द्वारा भारतीय औद्योगिक विकास बैंक कर्मचारी अधिकारी निधि के अन्तर्गत किया गया नामांकन इस विनियम के प्रत्यक्ष किया गया नामांकन समझा जाएगा।

(ii) प्रधिकारी की निधि में जो रकम जमा हो, उसका वितरण वह प्रपत्ते नामांकन में स्विकेनामार प्रपत्ते नामितयों के बीच रद्द सकता है।

(iii) प्रधिकारी नामांकन को रद्द भी कर सकता है और उसके स्थान पर कोई दूसरा नामांकन कर सकता है, जिसकी अनुमति इस विनियम के प्रत्यक्ष दी जाती है।

(iv) कोई भी नामांकन या रक्करण की मूलता तब तक प्रधारी नहीं होती जब तक कि वह सभु उद्योग बैंक के प्रधान कार्यालय में प्रधिकारी के सभु उद्योग बैंक की सेवा में होने के दोरान प्राप्त न हो जाए और इस निधि के बातों में पूजीहत न कर ली जाए।

(v) उप-विनियम (iii) के अन्तर्गत पिछला नामांकन रद्द करने के प्रपत्ते परिवार पर प्रतिकूल प्रभाव दाने विना प्रधिकारी इस विनियम के अन्तर्गत उसके द्वारा किए गए प्रत्येक नामांकन के साथ सभु उद्योग बैंक के प्रधान कार्यालय को रक्करण की एक आकस्मिक मूलता देवेगा, जो कि परिवित्यों के प्रमुख उपयोग इन विविधों के साथ उड़े प्रवत (4 और 5) में से किसी एक प्रवत में होती है।

स्थानीकरण I

इन विविधम और विनियम 25 के प्रत्यक्ष "परिवार" में प्रधिकारी है प्रधिकारी की पत्नी या परिवार, या पति और उन्हें तथा प्रधिकारी के मृत पुत्र की विविधा या विविधां और उन्हें:

परन्तु यह कि यदि प्रधिकारी यह प्रमाणित कर देता है कि उम्मी पत्नी व्यापिक रूप से उसमें पृष्ठक हो रही है प्रधवा उस समुदाय के स्थानीकरण कानून के अन्तर्गत, जिसके साथ उसका संबंध है, भरण्यायोजन की हक्कार नहीं रह रही है तो वह परिवार की सदस्य तक तक नहीं समझा जाएगा जब तक कि प्रधिकारी बाद में प्रधारालय कोई प्रधिकारक निर्देशक या प्रबंधक द्वारा मंजूर किया जा सकता है।

आगे यह और भी कि यदि कोई प्रधिकारी प्रधारालय को विविध रूप में स्टेट प्रधिकूचना द्वारा प्रपत्ती है वह इसका प्रधिक्षयत करता है कि उसके पति को उसके परिवार में जापित न किया जाए तो पति तब तक उसके परिवार का सदस्य नहीं समझा जाएगा जब तक कि प्रधिकारी बाद में घोषणारिक तौर पर विविध रूप में या प्रधिकूचना द्वारा उसे जापित न करते की उम्मी प्रकार समझा जाएगा रहेगा।

स्थानीकरण II

इस विविधम के प्रयोगनाम "व्यक्ति" में केन्द्रीय भग्कार, राज्य सरकार, राजनीय शाधिकरण, कर्मी, संघ प्रधवा विविधों का निकाय पाहे वह निगमित हो या न हो प्रधवा कोई ऐसा व्यक्ति जिसे पर विवाह वाले वामपाल वामपाल जाएगा ही वहाँ ऐसे दंक को पुरुष/मुरी समझा जाएगा।

(24) कुछ मामलों में प्रधितों का नामांकन—विनियम 23 में दी गई किसी बात के होते हुए जो प्रधिकारी किसी भी ऐसे व्यक्ति को नामांकित कर सकता है जिसे अधिक्षय विविध विनियम, 1925 के अन्तर्गत प्रधिकारित के रूप में परिवारित किया जाया है, यदि उस उद्योग बैंक इस बात से प्राप्तस्त है कि उस विविधम के अन्तर्गत कानून नामांकन करने पर प्रधवा उसके बनाए रखने से मारी कटिनाइया वेत्र आएंगी प्रधवा यह स्थायसंगत और साम्यापूर्ण नहीं होगा ऐसा नामांकन इस विविधों के साथ सगे प्रवत 6 में किया जाएगा।

(25) प्रधिकारी की मृत्यु पर चुनवान—प्रधिकारी की मृत्यु होने पर—

(1) यदि प्रधिकारी हाए इस विविधों के प्रधिकारी होइता है—

(क) यदि प्रधिकारी हाए इस विविधों के प्रधिकारी होइता है प्रधवा नामांकन प्रपत्ते परिवार के किसी तदस्य प्रधवा सदस्यों के पद में भोज्य है तो इस निधि में उसके नाम जमा राखि प्रधवा उसका कोई बाव, विविध वह नामांकन संबंधित है, नामांकन में विविधित अनुपात में वापाकिर्ति या नामांकितयों को संदेय हो जाएगा;

(ख) यदि प्रधिकारी के परिवार के किसी तदस्य वा सदस्यों के पद में ऐसा नामांकन विवाहान नहीं है प्रधवा यदि ऐसा नामांकन इस निधि में उसके नाम जमा राखि के बेल एक भाग से संबंधित है तो संभूत राखि वा उसका कुछ भाग, यामिति, जिससे नामांकन संबंधित नहीं है, उसके परिवार के एक तदस्य या सदस्यों है पिछ किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के पद में नामांकन के तात्परित होते हुए भी, उसके परिवार के सदस्यों के बीच भाग हिस्सों में संदेय हो जाएगा—

परन्तु यह कि कोई भी हिस्सा निम्नविविध को संदेय नहीं होगा—

(1) पुत्र जो दैव रूप से विवाह हो गए हैं;

(2) मृत पुत्र के पुत्र जो दैव रूप से विवाह हो गए हैं;

- (3) विवाहित पुत्रिया जिनके पति जीवित हों;
- (4) मृत पुत्र की विवाहित पुत्रिया जिन के पति जीवित हों;
- यदि परिवार में छंड (1), (2), (3) और (4) में उल्लिखित ने भिन्न कोई ग्रन्थ सदस्य है :

परन्तु यह कि मृत पुत्र की विधवा घटवा विधवायें और बच्चा अपवा वज्ज्ञे समान हिस्तों में वही हिस्ता प्राप्त करें, जो पुत्र आप्त करता, प्रगत वह विधिदाता का उत्तरांशी होता और ऐसे मामने में, जहाँ वह विधिदाता का उत्तरांशी होता हो उसे प्रथम परंतुक के छंड (1) के प्रतीक इससे से यंत्रित रखा जाता, उसे इस प्रकार विवित नहीं रखा गया।

परन्तु यहाँ और यह कि यदि विनियम 24 के अन्तर्गत कोई नामांकन इसी या किसी भूमध्य घटवा घावियों के पक्ष में बना रहा है तो विधिदाता के नाम जमा राखि घटवा उसके किसी भाग, विस्ते वह नामांकन संबंधित है, इस उपचंड में दी गई किसी बात के होते हुए भी, नामांकन में विनियिट घनुपात में नामांकिती घटवा नामांकियों दो सदेय हो जाएगा।

- (ii) यदि विधिदाता घपने वीचे कोई परिवार नहीं छोड़ता है—
- (क) यदि इन विनियमों के घनुसार विधिदाता द्वारा निया गया कोई नामांकन किसी या किसी व्यक्ति या व्यवित्रियों के पक्ष में बना रहा है, जो कि भविष्य निवि व्यविनियम, 1925 की धारा 2 के छंड (ग) में दी वई परिवारा के घनुसार विधिदाता का घावित है या घावित है तो इस नियि में उसके/उनके बाप जमा राखि या उसका कोई भाव, जो नामांकन से संबंधित है, जैसी भी स्थिति हो, इस नामांकन में विनियिट घनुपात में उसके नामांकिती घटवा नामांकियों को सदेय हो जाएगा।
- (ख) यदि ऐसा कोई नामांकन भविष्य निवि व्यविनियम, 1925 की धारा 2 के छंड (ग) में दी वई परिवारा के घनुसार विधिदाता का घावित है तो इन विनियमों के प्रत्यंतमें से नामांकिती या अन्य व्यक्ति को सदेय राखि उस विधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (2) के घन्तानं उस घावित को प्रदान की जाएगी।

- (ग) यदि ऐसा कोई नामांकन विधिमत नहीं है या ऐसा नामांकन इस नियि में विधिदाता के नाम जमा राखि के लियन एक भाग से संबंधित नहीं है जिसी भी ऐसे व्यक्ति को मंदेत हो जाएगा जो विनामकों के समक्ष उत्तरांश द्वाकर उसके प्राप्त करने का घरवाया हुक्मदार होता। यदि ऐसी संतुर्ण रकम या उमसा भाग, व्यास्तिति, पांच हजार रुपये से अधिक नहीं है;
- (घ) कोई रकम घटवा उसका कोई भाग जो कि उप-छंड (क), (ख), (ग) के घन्तानं विनियिट को सदेय नहीं है किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रोवेद या प्रकाशन-पत्र, जो भूतक की सम्पदा को उसके हारा प्रकाशन करने संबंधी स्वीकृति का प्रमाण होगा घटवा घविष्य निवि व्यविनियम, 1925 की धारा 4 के छंड (ग) के घनुसार उत्तरांशकार का प्रमाण प्रस्तुत करने पर सदेय हो जाएगा।

टिप्पणी:—

- जब कोई नामांकिती या अन्य व्यक्ति, भविष्य निवि व्यविनियम, 1925 की धारा 2 के छंड (ग) में दी गई परिवारा के घनुसार विधिदाता का घावित है तो इन विनियमों के प्रत्यंतमें से नामांकिती या अन्य व्यक्ति को सदेय राखि उस विधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (2) के घन्तानं उस घावित को प्रदान की जाएगी।
- (26) विधिदाताओं द्वारा नियादित किया जाने वाला करार—प्रत्येक कर्मचारी इस नियि का विधिदाता बनने पर इसके साथ अनुबद्ध विष्य नियि प्रपत्र 1 में एक करार नियादित करेगा।
- परन्तु यह कि भारतीय ग्रोवोगिक विकास बैंक कर्मचारी विष्य नियि विनियमों के प्रयोजनार्थ स्थानांतरित कर्मचारी द्वारा नियादित कोई भी इस प्रकार का करार इस विनियम के प्रयोजनार्थ नियादित करार समझा जाएगा।

करार का प्रणा विनियम 26

स्थान
दिनांक _____

सेवा में
प्रकाशक,
भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक,
कर्मचारी भविष्य नियि
महानुभाव;

मैं घोषित करता/करती हूँ कि मैंने भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक कर्मचारी भविष्य नियि विनियम, 1990 को पढ़ और समझ लिया है, और उक्त विनियमों के घनुसार विधिदाता करने और इनसे आवद्ध होने पर सहमत हूँ।

पूरा नाम _____

जन्म तारीख _____

पद का स्वरूप _____

मासिक वेतन _____

गवाहः :

हस्ताक्षर : _____

पदनाम : _____

पता : _____

भविष्य
(हस्ताक्षर)

मूर्ची भा. _____

भविष्य निधि प्रपत्र 2

नामांकन प्रस्तुप यदि अभिदाता का कुटूंब है

विनियम 23 (i).

मूर्ची सं. _____
 नाम _____
 स्थान _____
 तारीख _____

सेवा में

प्रशासक,
 भारतीय नव उद्योग विकास बैंक,
 कर्मचारी भविष्य निधि
 महान् भारत,

मैं निम्न देना/देती हूँ कि मेरी मृत्यु होने पर भारतीय नव उद्योग विकास बैंक कर्मचारी भविष्य निधि ने मुझे संदेश राशि मेरे परिवार के ग्राहकों के बीच उत्तम नाम के याने तोड़े दिए गए नामों के अनुगाम विनियत की जाएः :

नामांकिती	नामांकितीयों के नाम और यता	अनियमिता के राशि तंत्रिधि	नामांकिती की प्राप्ति	संचित निधि की राशि या हिस्सा
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				

भवदीय,

(हस्ताधार)

गवाह :

(1) _____

पदनाम _____

पता _____

(2) _____

पदनाम _____

पता _____

मैंने अभिदाता के हस्ताधार संस्थापित किए

हस्ते प्रबंधक

टिप्पणी :

कालम 4 हम प्रकार भरा जाए ताकि सम्पूर्ण राशि इसमें शामिल हो सके।

भविष्य निधि प्रपत्र 3

अभिदाता का कुटूंब न होने पर भरे जाने वाले नामांकन का प्रस्तुप

विनियम 23 (i)

मूर्ची सं. _____
 नाम _____
 स्थान _____
 तारीख _____

सेवा में

प्रशासक,
भारतीय लघु उद्योग विकास परिषद्,
कर्मचारी भवित्व निधि
महानगरपाल।

मेरा घोषित करता/करती है कि मेरा परिवार नहीं है और निरें देता/देती है कि मेरी मध्य सेवा पर भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक कर्मचारी भवित्व निधि में सबे मंडिय गति में परिवार न लाभ की विधि में जीते उन्नियन व्यक्तियों के बीच इसके नाम के यथा दीने दिए गए तरीके के अनुसार विविध नीचे जाएः

नामांकिती व्यक्ति नामांकितियों के नाम तथा पता	अभिदाता के गाव वंचि गदि नामांकिती की व्यापकी हो	भवित्व निधियों के हिस्से तो गणि
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

भवदीय

गवाह :

- (1) ——————
पदनाम ——————
पता ——————
(2) ——————
पदनाम ——————
पता ——————

मैंने अभिदाता के हस्ताक्षर संयापित किए

टिप्पणी : कालम 4 इस प्रकार भरा जाए ताकि भवुण राशि इसमें शामिल हो सके।

कृते प्रबंधक

भवित्व निधि प्रपत्र 4

गटकरण की आकस्मिक सूचना

विनियम 23 (V)

(यदि नामांकन अभिदाता के परिवार के एक या अधिक सदस्यों के पाथ में हो)

जब जांच में उचित समझूँगा/मसमझूँगा में घरने द्वारा किए गए नामांकन को गट करने के लिए भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक कर्मचारी भवित्व निधि विनियम, 1990 के विनियम 23 के उत्तराधिकार (iii) के अन्तर्गत घरने अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव डाले जिन में गटदारग गुच्छित करता/करती है कि इसके अन्तर्गत नामांकित व्यक्ति/व्यक्तियों में से किसी की मुहू से पूर्व मृत्यु हो जाने पर उन नामांकन जहा तक ऐसे व्यक्ति/व्यक्तियों में से किसी का प्रदल अधिकारों का मंश्वं है, तत्काल रद्द समझे जाएँगे।

19—के —————— महीने की —————— तारीख वो —————— में
हस्ताक्षर के दो गवाह :

- 1—————
2—————

अभिदाता के हस्ताक्षर

भविष्य निधि प्रपत्र 5

गदकरण की प्राकृतिक गृनना

विनियम 23 (V)

(यदि नामांकन एक या अधिक व्यक्तियों के पक्ष में है जो अमिदान के परिचार के सदस्य न हो)

जब कभी मैं उचित समझौता/समझौती मेरे हाथ नियंत्रण या नामांकन को रद्द करने के लिए भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक कर्मचारी भविष्य निधि विनियम, 1990 के विनियम 23 के उपर्युक्त विनियम (iii) के अन्तर्गत आपने अधिकारी पर प्रतिकूल प्रभाव डाले तिना मैं गुचित करता/करती हूँ कि इसके अन्तर्गत नामांकित व्यक्ति/व्यक्तियों में से किसी को मृत्यु ने पुरुष पक्ष में होने पर उस नामांकित जगत् तक पैसे व्यक्ति/व्यक्तियों से मैं उसी व्यक्ति को प्रदत्त अधिकारी का गंभीर है, तबक्षण उड़ हो जाएगा।

19. ————— के ————— मर्हीन की ————— नारीय को ————— मे

हस्ताक्षर के दो गवाह :

1. —————
2. —————

भविष्य निधि प्रपत्र 6

अमिदान द्वारा दर्या जात वाला ऐसा नामांकन या उसका कुटुम्ब हो परम्परा वह विनियम 24 की शर्तों के अनुसार आश्रित को नामांकित करना चाहता है।

मुनो म. —————
नाम —————
स्थान —————
तारीख —————

मेवा मे

प्रशासक,

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक,
कर्मचारी भविष्य निधि

महानुभाव,

मैं निदेश देता/देती हूँ कि मेरी मृत्यु होने पर भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक कर्मचारी भविष्य निधि में मैंने मंदेय ग्राण्ठी नीचे उल्लिखित मेरे आश्रितों के बीच उनके नाम के पासे शिए गए तरीके के प्रनुसार वितरित की जाएः—

नामांकितीया या नामांकितियों के नाम पांच पता

अमिदान के साथ संबंध नामांकिती की आयु मंचित निधियों की राशि जब अमिदान का कुटुम्ब या हिस्सा हो तो आश्रित को नामांकित करने के कारण

1

2

3

4

5

भविष्य,

गवाह :

(1) —————
पदनाम —————
पता —————

(हस्ताक्षर)

(2) —————

पदनाम —————

पता —————

मेरे अभिदाता के हस्ताक्षर सत्यापित किए

कृते प्रबंधक

टिप्पणी :

कालम 4 इस प्रकार भरा जाए ताकि संपूर्ण राशि इसमें शामिल हो सके।

भविष्य निधि प्रपत्र 7

अतिरिक्त अभिदान की दर निर्धारण का प्रह्लाद

विनियम 9 (ii)

स्थान —————

तारीख —————

प्रबंधक,

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक
महोदय,

मैं एनद्डारा अनुरोध करता/करती हूँ कि भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक कर्मचारी भविष्य निधि विनियम, 1990 के विनियम 9 (ii) को शर्तों के अनुसार भविष्य निधि में मेरे स्वेच्छक प्रतिरिक्त अभिदान के रूप में मेरे बेतन का ————— प्रतिशत काट लिया जाए। मेरे बेतन से इस प्रकार की पहली कटौती ————— 19 ————— से की जाए।

भवदीय,

(हस्ताक्षर)

नाम —————

पदनाम —————

सूची सं . —————

भविष्य निधि प्रपत्र 8

(अभिदान की दर नियत करने का प्रह्लाद)

विनियम 9 (i)

स्थान —————

तारीख —————

प्रबंधक,

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक
महोदय,

मैं भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक कर्मचारी भविष्य निधि विनियम के विनियम 9 (i) के प्रत्यर्गत निवेश देता/देती हूँ कि भविष्य निधि में मेरे अभिदान के रूप में प्रतिमास मेरे बेतन का ————— प्रतिशत काट लिया जाए।

भवदीय,

(हस्ताक्षर)

नाम —————

पदनाम —————

सूची सं . —————

टिप्पणी :

ग्राह. एम. भगवान्. प्रबन्ध निदेशक

प्रमाणित किया जाता है कि भारतीय पौधोगिक विकास बैंक ने 31 अगस्त, 1990 के अपने पत्र द्वारा भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक कर्मचारी भविष्य निधि विनियम, 1990 को प्रनुभोदन प्रदान किया है।

**SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT BANK
OF INDIA
NOTIFICATION**

New Delhi, the 20th November, 1990

**SMALL INDUSTRIES DEVELOPMENT BANK
OF INDIA
INDIA
[EMPLOYEES' PROVIDENT FUND]
REGULATIONS, 1990**

No. 3590/PF.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with clause (d) of sub-section (2) of section 52 of the Small Industries Development Bank of India Act, (39 of 1989), the Board, with the previous approval of the Development Bank, hereby makes the following Regulations:

(1)(i) These Regulations may be called the Small Industries Development Bank of India (Employees Provident Fund) Regulations, 1990.

(ii) These Regulations will come into force on the day of 1990.

(2) Definitions.—in these Regulations, unless there is anything repugnant in the subject or context—

(i) "Act" means the Small Industries Development Bank of India Act, 1989 (39 of 1989);

(ii) "Administrators" means the Administrators of the Fund;

(iii) "Managing Director" means the Managing Director of the Small Industries Bank;

(iv) "Fund" means the fund constituted under Regulation 3;

(v) "Transferred Employee" means a person who has become a member of the Staff of the Small Industries Bank in terms of sub-section (2) of Section 33 of the Act but does not include a person who has elected to go back to the Development Bank within a period of nine months from the appointed day;

(vi) words and expressions used, but not defined, in these Regulations and used in the Act have the meaning respectively assigned to them for the purpose of the Act.

(3) Constitution.—A fund shall be created called "The Small Industries Development Bank of India Employees Provident Fund".

(4) Administration.—The Fund shall be held by the Small Industries Bank and shall be administered by a committee of Administrators consisting of the Managing Director, two other Directors, nominated by the Board, one Executive Director or General Manager and three persons, one of whom shall represent the officers, the second the clerical staff and the third the staff in the subordinate services, all the four to be nominated by the Managing Director. Without prejudice to the specific powers conferred on them under the various Regulations, the Administrators of the Fund shall be entitled to exercise all powers and to do all acts and things on behalf of the Fund under these Regulations.

(5) Meeting of Administrators.—At every meeting of the Administrators, the Managing Director or, in his absence the Executive Director or one of the nominated Directors shall preside. The presence of at least three Administrators of whom one shall be the Managing Director or the Executive Director or one of the nominated Directors shall be necessary to form a quorum for the transaction of business. Each Administrator shall have one vote and in all cases of an equal division, the Chairman of the meeting shall have a casting vote.

(6) Statement of Accounts.—The accounts of the Fund shall be made up yearly as at the 31st March and an audited statement of the accounts as at that date will be submitted to a meeting of the Administrators by 31st August or such later date as may be permitted by the Administrators in every year and a copy of such statement shall be made available to the subscribers at each office and branch as soon as may be possible after such meeting.

(7) Membership for whom compulsory.—(i) Every permanent employee of the Small Industries Bank shall be bound to subscribe to the Fund.

(ii) An employee appointed on probation to a post in which, if confirmed, he will become a permanent employee, shall be deemed to be a permanent employee for the purpose of these Regulations from the date of his first appointment.

(iii) (a) a temporary employee, other than an employee who is already contributing to some other provident fund, may subscribe to the fund, if so permitted by the Administrators.

(b) Any other person in receipt of remuneration, other than casual remuneration, from the Small Industries Bank may also subscribe to the Fund, if so permitted by the Administrators.

Provided that where any sum is standing to the credit of such person in the Fund and has become payable to him by reason of the provisions of Regulation 19, such sum may, in exceptional cases, if so permitted by the Administrators, continue to stand to his credit in the Fund for such time as he is in receipt of remuneration other than casual remuneration from the Small Industries Bank, and interest shall, notwithstanding anything contained in Regulation 18, accrue on such sum.

(iv) On the creation of the Fund under Regulation 3, every transferred employee shall be deemed to have become a member of the Fund and he shall be bound to contribute to the Fund in accordance with these regulations.

8 (i) The balance standing to the credit of every Transferred Employee in the Industrial Development Bank of India Employees' Provident Fund shall stand transferred to the fund and same shall be credited to his account with the fund.

(ii) The administrators may, at the request of any employee required or permitted under Regulation 7, to subscribe to the Fund, receive to the credit of such employee any amount due to him from a Provident Fund account maintained by his former emp-

loyer and transferred by the said employer directly to the Fund.

(iii) The Small Industries Bank shall not be required to make any contribution in respect of any amount paid into the Fund under this Regulation.

(iv) In case any arrears pay or allowances become payable to any category of employees of the Small Industries Bank and a decision is taken by the Small Industries Bank that such arrears or part thereof, as the case may be, shall not be disbursed in cash but should be credited to the Provident Fund Accounts of the employees concerned, the Administrators shall, at the request of the Small Industries Bank, receive to the credit of such employees the account to be so credited to their Provident Fund Accounts.

Provided that the Small Industries Bank shall not be required to make contribution in respect of any amounts so paid into the Fund.

(v) Notwithstanding anything to the contrary contained in these Regulations, till such time an associate institution establishes its own provident fund after framing the necessary regulations or rules, as the case may be the Administrators may, in their discretion, receive subscriptions from persons who are employees of associate institutions and contributions on their behalf by the employer-associate institutions and retain such subscriptions and contributions and maintain and continue to maintain their accounts in the Fund and the powers in respect of such accounts may be exercised by the Administrators, or such persons as may be nominated by the Administrators in this behalf, notwithstanding that such subscribers may not be or may have ceased to be employees of the Small Industries Bank.

Explanation:

For the purpose of this Regulation, an institution shall be deemed to be an 'associate institution', if in the capital of such institution the Small Industries Bank holds or held not less than 40 percent share.

(9) Rate of subscription.—(i) The rate of subscription shall, as from the date on which the subscriber commences to subscribe, be fixed by the subscriber himself at not more than 10 per cent nor less than 5 per cent of his pay.

(ii) In addition to the subscription made under sub-Regulation (i) any subscriber may make to the fund a subscription of an amount upto the pay minus the amount subscribed under Regulation 9(i) but not less than 5 per cent of his pay.

(iii) Every person subscribing to the Fund under sub-regulation (ii) shall give a notice to the Small Industries Bank specifying the rate of subscription in provident Fund from 7 annexed hereto.

(iv) Such subscriptions shall be deducted by the Small Industries Bank from his monthly pay in amounts calculated to the nearest rupee. The rate of subscription within these limits when once fixed by the subscriber can be altered only after written intimation of his desire to do so has been given by him, not less than one calendar month in advance to the officer responsible for paying him.

Explanation :

In this Regulation, the expression 'pay'

(i) includes substantive pay, special pay, personal pay, special personal pay, overseas pay and officiating pay,

(ii) does not include any allowance or other emoluments unless specially classed as pay by the Board.

(10) Subscription of subscriber on leave.—The subscription of a subscriber absent on leave shall, during the period of such absence, be assessed on his leave pay but any such subscriber shall be at liberty to subscribe on the full amount of his pay provided notice in writing of his desire to do so is given by him not less than 14 days in advance of the first payment of his leave salary to the officer responsible for paying him.

(11) Small Industries Banks' contribution.—Save as otherwise provided in these Regulations, the Small Industries Bank shall contribute every month a sum equal to that subscribed by each subscriber to his account in the Fund, provided that no such contribution shall be made by the Small Industries Bank in respect of subscriptions permitted under sub-regulation (iii) of Regulation 7 and sub-regulation (ii) of Regulation 9.

Provided further that in the case of a temporary employee subscribing under sub-regulation (iii) of Regulation 7 who is subsequently taken into the permanent employment of the Small Industries Bank, the Small Industries Bank shall contribute, on the employee being made permanent, a sum equal to the amount subscribed by him during his temporary service.

Provided further that in respect of subscriber who has been permitted to subscribe under clause (b) of sub-regulation (iii) of Regulation 7 the Small Industries Bank shall be liable to make contributions only if the conditions of service of such subscriber provide for the Small Industries Bank making such contributions.

(12) Notwithstanding anything contained in Regulation 11, where the terms of service of a Chairman or Managing Director provide for his subscribing to the Fund, the Small Industries Bank shall, from such date as may be applicable under such terms of service, contribute every month to his account in the Fund such sum, if any, as may be provided for in the said terms of service.

(13) Interest.—The Small Industries Bank shall credit interest on the amount standing to each subscriber's credit at the end of every half-year at a rate which shall be fixed by the Small Industries Bank having regard to the return which can be obtained on the investment of other provident, charitable, religious and trust and quasitrust funds in accordance with the regulations, schemes or directions made, framed or given by the Central Government in this behalf, provided that the rate of interest shall be equal to the rate allowed by the Development Bank in respect of its Employees' Provident Fund. Such interest shall be calculated to the nearest rupee on the monthly products of each subscriber's account.

and shall be applied to the accounts half yearly as on the 31st March and 30th September.

(14) Annual Statement of each subscriber's account.—Every subscriber shall receive from the Administrators an annual statement showing the amount standing to his credit in the Fund.

(15) Borrowing from Fund.—(i) At the discretion of the Small Industries Bank, a temporary advance, the amount of which shall not in any case exceed the subscriber's own subscriptions and interest thereon, may be granted to a subscriber on application, from the amount standing to his credit in the Fund, subject to the following conditions :—

(A) The Small Industries Bank is satisfied that the amount will be expended on the following object or objects and not otherwise :—

(1) to pay expenses in connection with illness or disability, including where necessary, the travelling expenses, of the subscriber or any person actually dependant on him ;

(2) to meet the cost of higher education, including where necessary, the travelling expenses, of the subscriber or any person actually dependant on him in the following cases, namely :—

(a) for education outside India for an academic, technical, professional or vocational course beyond the High School stage ; and

(b) for any medical, engineering, technical, professional or specialised, vocational course after the successful completion of ten years study in school conducted by any recognised institution and leading to a degree/diploma or certificate ;

(3) to pay obligatory expenses on a scale appropriate to the status which by customary usage the subscriber has to incur in connection with marriages or other ceremonies of himself or of his children or of any other person actually dependant on him ;

Provided that the condition of actual dependence shall not apply in the case of a son or daughter of the subscriber or in the case of an advance required to meet the funeral expenses of a parent of the subscriber ;

(4) to meet the cost of legal proceedings instituted by the subscriber for vindicating his position in regard to any allegation made against him in respect of any act done or purporting to be done by him in the discharge of his official duty, the advance in this case being available in addition to any advance admissible for the same purpose from any other source from the Small Industries Bank :

Provided that the advance under this sub-clause shall not be admissible to a

subscriber who institutes legal proceedings in any court of law either in respect of any matter unconnected with his official duty or against the Small Industries Bank in respect of any condition of service or penalty imposed on him ;

(5) to meet the cost of his defence where the subscriber is prosecuted by the Small Industries Bank in any court of law ;

(6) to meet any other expenses or liability which, in the opinion of the Small Industries Bank, is unforeseen and extraordinary and beyond ordinary means of the Subscriber ;

(B) An advance shall not, except for special reasons,—

(1) exceed 3 months' pay (pay as defined in the explanation to Regulation 9) or half the amount of the subscriber's own subscriptions to the Fund and interest thereon, whichever is less ; or

(2) be granted until the final repayment of the previous advance.

(ii) (a) An advance shall be recovered from the subscriber in such number of equal monthly instalments as the Small Industries Bank may direct ; but such number shall not be less than 12 unless the subscriber so elects for more than 24 provided that in special cases where the amount of advance exceeds three months' pay of the subscriber as provided by clause (B) of sub-regulation (i) the Small Industries Bank may fix such number of instalments to be more than 24 but in no case more than 36. A subscriber may at his option repay more than one instalment in one month. Each instalment shall be a number of whole rupees, the amount of the advance being raised or reduced, if necessary, to admit of the fixation of such instalments.

(b) Recoveries shall commence when the subscriber draws his pay for the full month for the first time after the advance is made. Recovery shall not be made except with the subscriber's consent while he is on leave, other than leave on full pay, or in receipt of subsistence grant.

(c) Recoveries made under this sub-regulation shall be credited as they are made to the subscriber's account in the Fund.

(16) (1) At the discretion of the Small Industries Bank and subject to such conditions and limitations as it may impose, an advance may be granted to a subscriber on application, from the amount standing to his credit in the Fund, for the purpose of purchasing share in a Co-operative Housing Society or of making any deposit or payment of money by way of earnest or otherwise, in each case solely with a view to securing a suitable house or premises for his residence or the residence of any person dependant on him .

(ii) An advance under this Regulation shall be permitted only once during the service of the employee and shall not exceed the amount of the subscriber's subscriptions to the Fund and interest

thereon, or the amount actually required for the purpose for which the advance has been applied for, whichever is less.

(iii) An advance under this Regulation shall be recovered in such number of monthly instalments, at such times and of such amount, as the Small Industries Bank may direct, the number of instalments not exceeding 120 in any case. A subscriber may at his option repay more than one instalment in one month and each instalment shall be a number of whole rupees.

(17) Insurance Policies.—(i) Sums to meet payments towards a policy of insurance on the life of the subscriber effected under a scheme of insurance maintained or approved by the Small Industries Bank may be withheld from subscriptions to the Fund or withdrawn from the amount subscribed thereto by the subscriber (including interest thereon). Any sum so withheld from a subscription shall be deemed to be part of the subscription for the purpose of calculating the Small Industries Bank's contribution under Regulation 11.

(ii) Where sums are withheld from subscriptions to the fund or withdrawn from the amount subscribed thereto by the subscriber under sub-regulation (i) above, the policy of insurance in respect of which such sums are withheld for withdrawal shall be transferred to the Small Industries Bank in consideration of the payment of premia on such policy and on such terms and conditions as the Small Industries Bank may impose in respect of the amount, if any, recovered by the Small Industries Bank from the insurer.

(18) When interest ceases to accrue.—Interest on all sums standing in the books of the Fund to the credit of a subscriber shall cease to accrue on the expiry of a period of six months from :

(a) The day on which he leaves services of the Small Industries Bank, or

(b) if he leaves the service of the Small Industries Bank on the expiry of any period of leave, commencing from or after the date on which he would have retired from the service of the Small Industries Bank but for such leave, or dies during such period of leave, the day on which such period of leave commences, or

(c) if he dies before he leaves the service of the Small Industries Bank, otherwise than in the circumstances referred to in clause (b) above, from the date of his death.

Provided that if, in any case, before the expiry of the said period of six months,

(i) at the request of the subscriber or any other person to whom the sums are payable under Regulation 25, the said sums are, or any portion thereof is authorised to be disbursed : or

(ii) in pursuance of an order of a Court or a Tribunal the said sums are, or any portion thereof is, paid to the order of such Court or Tribunal,

Interest shall cease to accrue on the said sums or, as the case may be, on such portion, from the date on which the said sums are, or any portion thereof, is authorised to be disbursed, or as the case may be, paid to the order of such Court or Tribunal.

Provided further that even after the expiry of the period of six months referred to above, the Small Industries Bank may, in its absolute discretion and without being under any obligation so to do, allow interest on the sums standing in the books of the Fund to the credit of a subscriber, for a further period not exceeding one year, if the Small Industries Bank is satisfied that the non-payment of such sums to the subscriber or his nominee or nominees, or legal representatives, as the case may be, is not due to any default or lapse on the part of the subscriber, or his nominee or nominees or legal representatives, as the case may be.

(19) Payment of amount standing to credit of subscriber.—(i) The sums standing to the credit of a subscriber shall become payable on the termination of his service or on his death :

Provided that a subscriber on leave preparatory to retirement may at his option withdraw from the sums standing to his credit in the Fund an amount not exceeding his own subscriptions and the interest thereon ;

Provided also that a subscriber, including any person permitted to subscribe to the Fund, under sub-clause (b) of clause (iii) of Regulation 7 may, at any time after completion of 15 years service, if the withdrawal is for the purpose specified in clause (b) of sub-regulation (ii) or after completion of 20 years service if withdrawal is for any other purpose and during 10 years immediately preceding the date of retirement or the date of expiry of his specified tenure of office as the case may be, be permitted by the Small Industries Bank at their discretion to withdraw, for the purposes and subject to the provisions contained in sub-regulations (ii), (iii) and (iv), from the sums standing to his credit in the fund unto such amount as specified in Regulation 20.

Provided further that there may, if the Committee of the Board of the Small Industries Bank, or any officer of the Small Industries Bank, as that Committee may specify in this behalf, so directs, be deducted therefrom and paid to the Small Industries Bank—

(a) any amount due under a liability incurred by the subscriber to the Small Industries Bank up to the total amount contributed by the Small Industries Bank to his account, including the interest credited in respect thereof :

OR

(b) where the subscriber has been dismissed from his employment on account of misconduct or gross negligence or where the subscriber has resigned his employment under the Small Industries Bank within five

years of the commencement of his continuous service, including temporary service, the whole or any part of the amount of such contributions together with the interest credited in respect therof.

Explanation :

For purpose of these regulations any service rendered by a transferred employee in the Development Bank shall be deemed to be the service rendered by him in the Small Industries Bank.

(ii) (a) Subject to such terms and conditions as may be imposed by the Small Industries Bank, a withdrawal under the second proviso, to sub-regulation (i) may be permitted for—

- (1) meeting the cost of higher education, including where necessary the travelling expenses, of any child of the subscriber actually dependant on him, in the following cases, namely—
 - (i) for education outside India for academic, technical, professional or vocational course, beyond the high school stage; and
 - (ii) for any medical, engineering, technical, professional or specialised, vocational course after the successful completion of ten years' study in school conducted by any recognised institution and leading to a degree/diploma or certificate.
- (2) meeting the expenditure in connection with the marriage of the subscriber himself or the subscriber's son or daughter and if he has no daughter, of any other female relation dependant on him.
- (3) meeting the expenses in connection with the illness, including where necessary, the traveling expenses, of the subscriber or any person actually dependant on him;

Provided that a subscriber may, at his option, return to the Fund in lump sum the whole or any part of the sum so withdrawn by him.

(b) Subject to the provisions of clauses (c) to (j) withdrawals under the second proviso to sub-regulation (i) may also be permitted for the following purposes, namely :

- (1) purchase of a house or site for a house.
- (2) building a house on a plot of land belonging to the subscriber or the subscriber's spouse or both of them jointly, as the case may be, provided such spouse is a nominee under these Regulations and such nomination subsists on the date of application for withdrawal;
- (3) repayment of a loan taken for such purchase or building (including such a loan secured on the house or site purchased or house built);
- (4) reconstructing or making additions or alterations to a house already owned or acquired by the subscriber, or an ancestral house in

which the subscriber has an interest under the personal law applicable to the subscriber;

(5) payment of stamp duty and registration charges in connection with acquisition of a house or a site;

Provided that withdrawals shall not be granted for acquisition of more than one house or site except in a case, covered by sub-regulation (v) of regulation 19.

(c) The house purchased or built should be for subscriber himself and in the case of a site, it should be for building a house for the subscriber himself; the house or site shall be at the station where the subscriber is working or at the place to be declared by him in writing, as the place where he intends to reside after retirement.

(d) The amount permitted to be withdrawn shall not exceed the amount required for the purpose for which withdrawal is permitted, any excess of the amount withdrawn over the amount actually required shall forthwith be refunded.

(e) The subscriber may at any time be required to satisfy the Small Industries Bank, in such manner as it may specify, of any of the following matters, namely :

- (1) that the amount sought to be withdrawn or permitted to be withdrawn is actually required for the purpose for which withdrawal is sought or has been permitted, and that it has been applied to such purpose;
- (2) that the amount sought to be withdrawn or permitted to be withdrawn together with other funds, if any, available to the subscriber, is sufficient for the purpose for which withdrawal is sought or has been permitted;
- (3) that the subscriber has obtained or will obtain a good title to the site or the house, or where construction is to be put up on a site belonging to the subscriber's spouse, or both of them jointly has/have obtained or will obtain a good title to the site or the house; and
- (4) that the subscriber has obtained or will obtain all the permissions and approvals necessary for building the house and the subscriber shall comply with such requirement.

(f) Where the withdrawal is for building a house, such building shall commence before the expiry of six months or such longer period, as the Small Industries Bank may allow, and be completed before the expiry of eighteen months or such longer period as the Small Industries Bank may allow, from the date of the subscriber receiving the amount withdrawn or any part thereof.

(g) Where the withdrawal is for repayment of a loan, such repayment should be made within three months from the date of the subscriber receiving the amount withdrawn or any part thereof.

(h) Where the withdrawal is for the purpose of building a house, the amount permitted to be withdrawn may be paid out in such number of instalments

and at such time or times as the Small Industries Bank may determine having regard to the progress made in the building.

(i) The subscriber shall not without the previous written permission of the Small Industries Bank, transfer, mortgage or otherwise alienate the site or house; in default, the subscriber shall be liable to refund in one instalment the entire amount withdrawn.

(j) The subscriber may, at his option, return to the Fund the whole or any part of the sum withdrawn by him.

(iii) For the purpose of sub-regulation (ii) the expression "purchase of house" shall include—

(a) the subscription, as a member of a co-operative housing society, whether by purchase of shares in, or by depositing sums with, such society, of residential accommodation allotted by the society; and

(b) the purchase of a residential house or premises on hire-purchase basis or otherwise, from a Housing Board, City Improvement Trust or other like authority, formed or established under any law for the time being in force;

and clauses (c), (d), (e)(1), (e)(2), (i) and (j) of sub-regulation (ii) shall, so far as may be, apply accordingly to withdrawals for such acquisition or purchase.

(iv) Where a withdrawal has been permitted under sub-regulation (ii) read with sub-regulation (iii), the following conditions shall also apply:—

(a) The subscriber may be required to satisfy the Small Industries Bank that he has obtained title to the shares in the co-operative housing society concerned or has obtained the documents evidencing the deposit of sums with the society; or that he has obtained the documents evidencing his right to the residential house or premises purchased on hire purchase basis or otherwise from a Housing Board, City Improvement Trust or other like authority, formed or established under any law for the time being in force.

(b) The residential accommodation is obtained by the member before the expiry of six months, or such longer period as the Small Industries Bank may allow, from the date of the subscriber receiving the amount withdrawn or any part thereof;

(c) The amount may be permitted to be withdrawn in such number of instalments and at such time or times as the Small Industries Bank may determine.

(d) Except with the previous written permission of the Small Industries Bank, the subscriber shall not transfer, assign or create any encumbrance on such share or such shares, deposit or his interest in the residential accommodation allotted to him; in default, the subscriber shall be liable to refund forthwith in one instalment the entire amount withdrawn.

(v) In the event of a subscriber transferring, assigning or creating any interest whatsoever, in the house acquired by him with the help of a withdrawal under these Regulations, the subscriber shall refund to the Small Industries Bank the entire amount withdrawn by him forthwith one such transfer, assignment or creation of interest, as the case may be.

Provided where such transfer, assignment or creation of interest in with the permission of the Small Industries Bank and the subscriber has refunded, to the Small Industries Bank the amount withdrawn by him, he shall be eligible for a fresh withdrawal from the fund, subject to the other provisions of these regulations.

(20) Limits and Conditions as to withdrawal.—

(i) Any sum withdrawn by a subscriber at any one time for one or more of the purposes specified in clause (a) or sub-clause (4) of clause (b) of sub-regulation (ii) of Regulation 19 from the amount standing to his credit in the Fund shall not ordinarily exceed one-half of his own subscriptions and the interest thereon or six months' pay ('pay' as defined in the Explanation to regulation 9) whichever is less. The sanctioning authority may, however, sanction the withdrawal of an amount in excess of this limit up to $\frac{3}{4}$ ths of his own subscriptions and the interest thereon in the Fund having due regard to (i) the object for which the withdrawal is being made, (ii) the status of the subscriber and (iii) the amount of his own subscriptions and the interest thereon in the Fund.

(ii) Any sum withdrawn by a subscriber under clause (b) of sub-regulation (ii) of Regulation 19 [except sub-clause (4) of that clause] shall not exceed his own subscriptions and interest thereon.

Provided that in a case where both the husband and wife are employees of the Small Industries Bank subscribing to the Fund and are each others nominees, the aggregate of the advance and withdrawal that can be availed of by both of them for the purpose of acquiring one house in the name of either shall not exceed such amount that may be specified by the Small Industries Bank from time to time as available to a single subscriber.

(iii) A subscriber who has been permitted to withdraw money from the Fund under sub-regulation (ii) of Regulation 19 shall satisfy the Small Industries Bank within a reasonable period as may be specified by the Small Industries Bank that the money has been utilized for the purpose for which it was withdrawn, and if he fails to do so, the whole of the sum so withdrawn, or so much thereof as has not been applied for the purpose for which it was withdrawn, shall be forthwith repaid in one lump sum together with interest thereon at the rate determined under Regulation 13, by the subscriber to the Fund, and in default of such payment, it shall be ordered by the Small Industries Bank to be recovered from his emoluments either in a lump sum or in such number of monthly instalments as may be determined by the Small Industries Bank.

(21) Conversion of advance into withdrawal.—A subscriber who has been granted an advance under Regulation 15 or Regulation 16 for any of the purposes specified therein, may be permitted by the Small Industries Bank to convert the balance outstanding against such advance into a withdrawal under Regula-

tion 19 on his satisfying the relative conditions laid down in that Regulation.

(22) Sanctioning authority and delegation of powers.—(i) The Administrators may, subject to such conditions as they may think fit to impose, delegate to any officer of the Small Industries Bank as they may specify in this behalf all or any of the powers conferred upon them by these Regulations with the exception of the powers conferred by Regulation 5 and the Proviso to Regulation 7(iii)(b).

(ii) Without prejudice to the provisions of sub-Regulation (i) :

- (a) An advance under Regulation 15 or Regulation 16 upto six months' pay of the subscriber or one-half of the subscriber's own subscriptions and interest thereon, whichever is higher, may be sanctioned by the General Manager and any other advance from the Fund may be sanctioned by an Executive Director or Managing Director;
- (b) Withdrawals under the first proviso to sub-regulation (i) of Regulation 19 may be sanctioned by the General Manager;
- (c) Withdrawals under the second proviso to sub-regulation (i) of Regulation 19 up to six months' pay of the subscriber or one-half of the subscriber's own subscriptions and interest thereon, whichever is higher, may be sanctioned by the General Manager and any other withdrawal under that Regulation may be sanctioned by an Executive Director or Managing Director.

(iii) For the purpose of this Regulation—

- (a) "General Manager" includes a Deputy General Manager and a Manager;
- (b) "Pay" has the same meaning as in the Explanation to Regulation 9.

(23) Nominations.—(i) Every subscriber shall nominate in Form 2 annexed to these Regulations one or more members of his family to whom the amount standing at his credit in the Fund shall be payable in the event of his death. A subscriber who has no family shall nominate a person in Form 3 annexed to these Regulations provided that such nomination shall be valid only for so long as the subscriber has no family and that if a member subsequently acquires a family he shall formally cancel the previous nomination and nominate a member of the family in Form 2.

Provided that any nomination made under the Industrial Development Bank of India Employees' Provident Fund Regulation by the transferred employee shall be deemed to be a nomination made under this Regulation.

(ii) A subscriber may in his nomination distribute the amount that may stand to his credit in the Fund amongst his nominees at his own discretion.

(iii) A nomination may be cancelled by a subscriber and replaced by any nomination which is permitted to be made under this Regulation.

(iv) No nomination or notice of cancellation shall be effective unless it has been received in the Head Office of the Small Industries Bank while the subscriber is still in the service of Small Industries Bank and has been registered in the books of the Funds.

(v) Without prejudice to his right under sub-regulation (iii) to cancel a previous nomination, a subscriber shall, along with every nomination made by him under this Regulation, send to the Head Office of the Small Industries Bank a contingent notice of cancellation which shall be in such one of the Forms (4 and 5) annexed to these Regulations as is appropriate in the circumstances.

Explanation I

In this Regulation, and in Regulation 25 'family' means the wife or wives, or husband and children of a subscriber and the widow or widows and children of a deceased son of a subscriber:

Provided that if a subscriber proves that his wife has been judicially separated from his or has ceased under the customary law of community to which she belongs, to be entitled to maintenance she shall no longer be deemed to be a member of the family unless the subscriber subsequently indicates by express notification in writing to the Administrator that she shall continue to be so regarded:

Provided further that if a subscriber by notification in writing to the Administrators expresses her desire to exclude her husband from the family, the husband shall no longer be deemed to be a member of the family unless the subscriber subsequently cancels formally in writing her notification excluding him:

Provided further that, in cases where adoption is recognised by the personal law governing the subscriber, an adopted child shall be considered as a child.

EXPLANATION II

For the purpose of this Regulation 'person' includes the Central Government, a State Government, a local authority, a company, an association or body of individuals, whether incorporated or not, or any person designated by virtue of office.

(24) Nomination of dependants in certain cases.—Notwithstanding anything contained in Regulation 23, a subscriber may nominate any person who is a dependent as defined in the Provident Funds Act, 1925, if the Small Industries Bank is satisfied that the making or the subsistence of a nomination in accordance with that Regulation would cause undue hardship or would not be just and equitable. Such nomination shall be made in Form 6 annexed to these Regulations.

(25) Payment on death of a subscriber.—On the death of the subscriber—

(i) When the subscriber leaves a family—

(a) If a nomination made by the subscriber in accordance with these Regulations in favour of a member or members of his family subsists, the amount standing to his credit in the Fund or the part thereof to which the nomination relates, shall become payable to

~~the nominees or nominees in the proportion~~
specified in the nomination;

- (b) If no such nomination in favour of a member or members of the family of the subscriber subsists or if such nomination relates only to a part of the amount standing to his credit in the Fund, the whole amount or the part thereof to which the nomination does not relate, as the case may be, shall notwithstanding any nomination purporting to be in favour of any person or persons other than a member or members of his family, become payable to the members of his family in equal shares :

Provided that no share shall be payable to—

- (1) sons who have attained legal majority;
- (2) sons of a deceased son who have attained legal majority;
- (3) married daughters whose husbands are alive;
- (4) married daughters of a deceased son whose husbands are alive;

If there is any member of the family other than those specified in clauses (1), (2), (3) and (4);

Provided further that the widow or widows and the child or children of a deceased son shall receive between them in equal parts only the share which that son would have received if he has survived the subscriber and if, in a case where had he survived the subscriber, he would have been excluded from a share under clause (i) of the first proviso, he had not been so excluded.

Provided further that if a nomination under Regulation 24 in favour of a dependant or dependants subsists, the amount standing to the credit of the subscriber or the part thereof to which the nomination relates shall, notwithstanding anything contained in this sub-clause, become payable to nominee or nominees in the proportion specified in the nomination.

(ii) When the subscriber leaves no family—

- (a) if a nomination made by the subscriber in accordance with these Regulations in favour of any person or persons, who is or are a dependant or dependants of the subscriber, as defined in clause (c) of Section 2 of the Provident Funds Act, 1925, subsists, the amount

standing to his credit in the Fund or, as the case may be, the part thereof to which the nomination relates, shall become payable to his nominee or nominees in the proportion specified in the nomination;

- (b) if any such nomination subsists in favour of any person who is not a dependant as defined in clause (c) of Section 2 of the Provident Funds Act, 1925 the amount standing to his credit in the Fund or, as the case may be, the part thereof to which the nomination relates, shall become payable to such nominee if the amount does not exceed five thousand rupees;
- (c) if no such nomination subsists, or if such nomination relates only to a part of the amount standing to the credit of the subscriber in the Fund, the whole or as the case may be, the part thereof to which the nomination does not relate, shall become payable to any person appearing to the Administrators to be otherwise entitled to receive it, if the whole sum or, as the case may be, the part thereof does not exceed five thousand rupees;
- (d) any sum or any part thereof which is not payable to any person under sub-clause (a), (b), (c) shall become payable to any person on production of probate or letters of administration evidencing the grant to him of administration to the estate of the deceased or a succession certificate in accordance with clause (c) of Section 4 of the Provident Funds Act, 1925.

Note :

When a nominee or other person is a dependant of the subscriber, as defined in clause (c) of Section 2 of the Provident Funds Act, 1925, the amount payable to such nominee or other person under these Regulations vests in the dependant under sub-section (2) of section 3 of the said Act.

(26) Agreement to be executed by subscribers.—Every employee on becoming a subscriber to the Fund shall execute an agreement in Provident Fund Form I annexed :

Provided that any similar agreement executed by a Transferred Employee for the purpose of the Industrial Development Bank of India Employees' Provident Fund Regulations shall be deemed to be an agreement executed for the purpose of this regulation.

Provident Fund Form I

FORM OF AGREEMENT

Regulation 26

Place _____

Date _____

To _____

The Administrators of the
 Small Industries Development
 Bank of India Employees'
 Provident Fund

Gentlemen,

I hereby declare that I have read and understood the Small Industries Development [Bank of India Employees' Provident Fund Regulations, 1990 and I hereby subscribe and agree to be bound by the said Regulations.

Name (in full) _____

Date of birth _____

Nature of appointment _____

Salary per month _____

I am

Yours faithfully,

(Signature)

Index No. _____

Witness :

Signature _____

Designation _____

Address _____

Provident Fund Form 2

Form of nomination when subscriber has a family

Regulation 23 (i)

Index No. _____

Name _____

Place _____

Date _____

To

The Administrators of the
 Small Industries Development
 Bank of India Employees'
 Provident Fund

Gentlemen,

I hereby direct that the amount payable to me from the Small Industries Development Bank of India Employees' Provident Fund at the time of my death shall be distributed among the members of my family mentioned below in the manner shown against their names :—

Name and address of the nominee or nominees	Relationship with the subscriber	Age of the nominee	Amount or share of accumulations
1	2	3	4

I am
 Yours faithfully,

(Signature)

Witness :

(1) _____

Designation _____

Address _____

(2) _____

Designation _____

Address _____

Subscriber's signature
verified by me

P. Manager

Note: Column 4 shall be filled in so as to cover the whole amount at credit.

Provident Fund Form 4

Contingent Notice of Cancellation

Regulation 23(v)

(Where nomination is in favour of one or more
members of the subscriber's family)

Without prejudice to my right under sub-regulation (iii) of Regulation 23 of the Small Industries Development Bank of India Employees' Provident Fund Regulations, 1990 to cancel the nomination made by me whenever I think fit, I hereby give notice that in the event of the person/any of the persons nominated thereunder predeceasing me, the said nomination shall forthwith stand cancelled in so far as it relates to the rights conferred upon such person/any of such persons.

Dated this _____ day of _____ 19 _____ at _____

Signature of Subscriber _____

Two witnesses to signature :

1. _____

2. _____

Provident Fund Form 5

Contingent Notice of Cancellation

Regulation 23(v)

(Where nomination is in favour of one or more
persons not being members of the subscriber's family)

Without prejudice to my right under sub-regulation (iii) of Regulation 23 of the Small Industries Development Bank of India Employees' Provident Fund Regulations, 1970 to cancel the nomination made by me whenever I think fit, I hereby give notice that in the event of the person any of the persons nominated thereunder predeceasing me, the said nomination shall forthwith stand cancelled in so far as it relates to the rights conferred upon such person/any of such persons.

Dated this _____ day of _____ 19 _____ at _____

Signature of Subscriber _____

Two witnesses to signature :

1. _____

2. _____

Provident Fund Form 6

Form of nomination to be completed when the subscriber has a family but wishes to nominate a dependant in terms of Regulation 24.

Index No. _____
 Name _____
 Place _____
 Date _____

To

The Administrators of the
 Small Industries Development
 Bank of India Employees
 Provident Fund

Gentlemen,

I hereby direct that the amount payable to me from the Small Industries Development Bank of India Employees' Provident Fund at the time of my death shall be distributed among my dependents mentioned below in the manner shown against their Names:—

Name and address of the nominee or nominees	Relationship with the subscriber	Age of the nominee	Amount or share of accumulations	Reasons for nominating dependant when the subscriber has a family
1	2	3	4	5
W				
W				
W				

I am
 Yours faithfully,

(Signature)

Witness :

(1) _____

Designation _____

Address _____

(2) _____

Designation _____

Address _____

Subscriber's signature
 verified by me

P. Manager

Note: Column 4 shall be filled in so as to cover the whole amount at credit.

Provident Fund Form 7

Form fixing rate of additional subscriptions
Regulation 9 (ii)

Place _____

Date _____

To

The Manager,
Small Industries Development
Bank of India

Sir,

I hereby request that in terms of Regulation 9 (ii) of the Small Industries Development Bank of India Employees' Provident Fund Regulations, 1990 per cent of my pay be deducted every month as my voluntary additional subscription to the Provident Fund, the first of such deductions to be made from my pay for the month of 19

I am
Yours faithfully,

(Signature)

Name _____

Designation _____

Index No. _____

Provident Fund Form 8

(Form fixing rate of subscription)
Regulation 9(i)

Place _____

Date _____

To

The Manager
Small Industries Development
Bank of India

Sir,

I hereby direct under Regulation 9(i) of the Small Industries Development Bank of India Employees' Provident Fund Regulations, 1990 that _____ per cent of my pay may be deducted every month as my subscription to the Provident Fund.

I am
Yours faithfully,

Signature

Name _____

Designation _____

Index No. _____

R.S. AGRAWAL, Managing Director

Note:—Certified that Industrial Development Bank of India have given approval to Small Industries Development Bank of India (Employees' Provident Fund) Regulations, 1990 vide their letter dated August 31, 1990.

Manager (Legal)